Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 01 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 123 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

आपकी खुशी इस पर निर्भर नहीं करती कि आपके पास क्या हैं, बल्कि आपकी खुशी इस पर निर्भर करती है कि आप क्या सोचते हैं।

सनी लियोनी कैनेडी के साथ कान 2023 के ...

SHARE

सेंसेक्स	:	61,729.68
निफ्टी	:	18,203.40

SARAFA

सोना	:	5,715
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

दुष्कर्म के आरोपी को शेष जिंदगी जेल में काटने की मिली सजा

GODDA : करीब ढ़ाई साल पुराने बलात्संग के प्रकरण में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) ने आरोपी मो. तबरेज आलम को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवन तक) की सजा सुनाई है। साथ ही 1 लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। गोड्डा कोर्ट में गुरुवार को फैसला सुनाया गया। महगामा थाना क्षेत्र स्थित जट्मा निवासी आरोपी मो। तबरेज आलम पिता- मो खुर्शीद आलम के खिलाफ महगामा थाना में 14 जनवरी 2021 को नाबालिग लड़की के साथ बलात्संग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी पर दुष्कर्म प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। जहां से सुनवाई करते हुए आरोपी को सजा सुनाई है। लोक अभियोजन लुकेश हेम्ब्रम ने मामले की पैरवी की।

झारखंड आंदोलनकारियों के प्रोविजनल नाम जारी

RANCHI : झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग ने 45 झारखंड आंदोलनकारियों के प्रोविजनल नामों की सूची जारी कर दी है। इस पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 10 दिनों का समय आंदोलनकारियों को दिया गया है। आयोग ने नाम जारी करते हुए कहा कि नामों की सूची एफआईआर में अज्ञात व्यक्तियों की संख्या के आधार पर प्रोविजनल रूप से जारी की गयी है। इस सूची में किसी भी प्रकार की आपत्ति दर्ज कराने के लिए 10 दिनों का समय दिया जाता है। अगर कोई आश्रित अब जीवित नहीं है, तो आश्रित होने का संबंधित प्रतिवेदन जमा कराना होगा। इसके अलावा अगले चरण में नामों की सूची जारी की जाएगी। जारी किये गये नामों में मिथिलेश नारायण तिवारी, प्रवीण कृष्णा सहाय, सुदर्शन महतो, हीरालाल दास, गिरिधारी महतो, निरंजन महतो, धीरण महतो, कालीचरण महतो, नंदकिशोर महतो, हरिराम महतो, दिलीप सेठ, नागेंद्र महतो, घनश्याम महतो, दया महतो,अनिल किशोर महतो, राजू साहु, नागेंद्र महतो, मोहन मुंडा, हरिनारायण मुंडा, परेश चंद्र महतो, हरिपद सिंह मुंडा, प्रेम कुमार गुप्ता, भेंदू सिंह मुंडा, शत्रुहन महतो, शिवदयाल गुप्ता, गोंझू महतो, गोविंदचंद महतो, अनिल कुमार महतो, बंधना टोप्पो, अनिता कच्छप, शेख रहमान, शाहिद अख्तर, जावेद अख्तर, मो इकबाल आलम सहित अन्य शामिल हैं।

राष्ट्रपति के रांची दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

RANCHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रांची दौरे को लेकर की गयी तैयारी की समीक्षा बैठक उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में की गयी। इस दौरान इन्होंने अधिकारियों से कहा कि दौरे के दौरान सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर सुरक्षा बलों को तैनात करेंगे। इस दौरान प्रस्तावित मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने समेत कार्यक्रम स्थल की विधि-व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने राष्ट्रपति के रांची परिभ्रमण कार्यक्रम के पूरे कार्यक्रम एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पूरी व्यवस्था बिल्कुल चुस्त दुरुस्त होनी चाहिए।

राज्य के हाई स्कूलों में नवनियुक्त 3469 शिक्षकों को सीएम हेमंत सोरेन ने सौंपा नियुक्ति पत्र

शिक्षकों को ऐसा पुरस्कार देंगे कि कभी सोचा नहीं होगा : HEMANT

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के हाई स्कूलों में नवनियुक्त 3469 शिक्षकों को सीएम हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को नियुक्ति पत्र सौंपा। नवनियुक्त 3469 हाई स्कूल शिक्षकों में से 24 को सीएम ने अपने हाथों से नियुक्ति पत्र दिए। पांच सालों के दौरान पहली बार राज्य में इतनी अधिक संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति हुई। शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देने के लिए खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नियुक्ति पत्र वितरण के लिए पूरे राज्य के शिक्षकों को रांची बुलाया गया। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आने वाले वाले समय में राज्य के सभी स्कूलों की ग्रेडिंग होगी। जिसके बाद टॉप थ्री में आने वाले स्कूलों के शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा। हालांकि, क्या पुरस्कार दिया जाएगा अभी इसका जिक्र नहीं किया गया है। लेकिन इतना इशारा जरूर किया किया गया कि यह पुरस्कार काफी बड़ा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफल स्कूलों के शिक्षकों को एक विशेष रूप में पैकेज दिया जाएगा, जिसका अभी जिक्र नहीं होगा। यह ऐसा पुरस्कार होगा, जो आप कभी सोच भी नहीं सकते हैं।

मौके पर मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, सचिव विनय चौबे, के रविकुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में नवनियुक्त शिक्षक को नियुक्ति पत्र देते सीएम हेमंत सोरेन व मंच पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ● फोटोन न्यूज

किस विषय के लिए कितने शिक्षकों की नियुक्ति

- इतिहास/नागरिक- 779
- संस्कृत- 398
- भूगोल- 341
- हिंदी- 337
- अर्थशास्त्र- 260
- गणित/भौतिकी- 268
- अंग्रेजी- 249
- जीव विज्ञान/रसायन- 232
- खेल शिक्षक- 184
- कॉमर्स- 118
- संगीत- 97
- उर्दू- 27
- गृह विज्ञान- 50
- संताली- 42
- बांग्ला- 29
- कुड़ुख- 28
- नागपुरी- 11
- मुंडारी- 11
- कुरमाली- 04
- उड़िया- 02
- हो- 01
- पंचपरगनिया- 01

अभी और 6000 शिक्षकों की होगी नियुक्ति : सीएम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि अभी और 6 हजार शिक्षकों की नियुक्ति होगी। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को राज्य में कुल 26 विषयों में शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। राज्यभर में सबसे अधिक 280 शिक्षकों की नियुक्ति रांची जिले में हुई। जबकि, सबसे कम 67 शिक्षक लातेहार में नियुक्त किये गए। गौरतलब है कि राज्य के हाइस्कूलों में शिक्षकों के लगभग आधे पद रिक्त थे। हाई स्कूल में शिक्षकों के 25199 पद सृजित हैं। इनमें से 11 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। राज्य के अधिकतर हाइस्कूल में सभी विषयों के शिक्षक नहीं हैं। आपको बता दें कि यह नियुक्ति प्रक्रिया 2016 में रघुवर सरकार में शुरू हुई थी। जिसके तहत 17,572 हाईस्कूल शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। 7 साल में यह नियुक्ति प्रक्रिया 7 बार उलझी। इनमें से लगभग 11 हजार शिक्षकों की नियुक्ति हो गयी है। अब जून में करीब 6 हजार और शिक्षकों की नियुक्ति की तैयारी है।

बच्चों की कोचिंग का भी खर्च उठाएगी राज्य सरकार

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के हाई स्कूलों में अब शिक्षकों की कमी नहीं होगी। बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। सीएम ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों से इमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। सीएम ने यह भी कहा कि, जो बच्चे अपनी पढ़ाई के बाद नौकरी पाने के लिए कोचिंग करते हैं, उन बच्चों की कोचिंग का भी खर्च राज्य सरकार उठाएगी। इन सबके साथ सीएम हेमंत सोरेन ने बताया कि राज्य में गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 15 लाख रुपये तक न्यूनतम ब्याज दर पर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। ताकि बच्चे शिक्षा से वंचित न हो, इसके लिए राज्य सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड के तहत लोन लेने वालों को 5 साल तक सरकार के पैसे वापस नहीं करने हैं, छठे साल भी नहीं करना है, बल्कि सातवें साल में वे सरकार के पैसे वापस करें।

सर्कुलेशन से बाहर होगा 2000 का नोट 30 सितंबर तक बैंक से बदलवा सकेंगे

23 मई से शुरू होगी नोट बदलने की प्रकिया

AGENCY NEW DELHI : आरबीआई ने 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंकनोट जारी करना बंद करें। हालांकि 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, क्लीन नोट पॉलिसी के तहत आरबीआई ने यह फैसला लिया है। आरबीआई ने कहा है कि यह नोट 30 सितंबर तक कानूनी रूप से वैध रहेंगे।

2016 में आरबीआई ने किए थे जारी : आरबीआई ने नवंबर 2016 में आरबीआई एक्ट 1934 की धारा 24 (1) के तहत ये नोट निकाले थे। रिजर्व बैंक ने नोटबंदी

के बाद इन नोटों को जारी किया था। यह फैसला इसलिए लिया गया था ताकि उस समय 500 और 1000 रुपये के जो नोट चलन से हटाए गए थे, उनका बाजार और अर्थव्यवस्था पर असर कम किया जा सके। जब दूसरे मूल्य के बैंक नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गए, तब दो हजार रुपये को चलन में लाने का उद्देश्य पूरा हो गया।

23 मई से शुरू होगी बैंकों में नोट बदलने की प्रक्रिया : लोग दो हजार रुपये के नोट बैंक खातों में जमा करा सकेंगे या फिर उन्हें अन्य मूल्य के नोटों के साथ किसी भी बैंक शाखा में जाकर एक्सचेंज करा सकेंगे। लोगों को यह ध्यान रखना होगा कि एक बार में अधिकतम 20 हजार रुपये मूल्य के नोट बदलवाए जा सकेंगे। यह प्रक्रिया 23 मई से शुरू होगी और 30 सितंबर 2023 को खत्म होगी।

आपकों बता दें कि मार्च 2018 में चलन में मौजूद कुल नोट में दो हजार रुपये के नोट की हिस्सेदारी 37.3 प्रतिशत थी जो 31 मार्च, 2023 को घटकर 10.8 प्रतिशत रह गयी। मूल्य के हिसाब से मार्च 2018 में कुल 6.73 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट 2,000 रुपये के थे जबकि 31 मार्च, 2023 को इनका मूल्य 3.62 लाख करोड़ रुपये रह गया।

जी-7 शिखर सम्मेलन में मेरी उपस्थिति विशेष रूप से सार्थक होगी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जापान के लिए रवाना

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जापान के लिए रवाना हो गए। यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता को देखते हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति विशेष रूप से सार्थक होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर जापानी अध्यक्षता के तहत जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जापान के हिरोशिमा के लिए रवाना हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल में ही भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करने के

जापान के लिए रवाना होते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● एजेंसी

बाद प्रधानमंत्री किशिदा से फिर भेंट होना प्रसन्नता की बात होगी। चूंकि इस साल भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है, इसे देखते हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में मेरी उपस्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आगे प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जी-7 के सदस्यों और अन्य आमंत्रित भागीदार देशों के साथ विश्व के सामने आने वाली चुनौतियों और उन्हें सामूहिक रूप से संबोधित करने से संबंधित विचारों के आदान-प्रदान को लेकर उत्सुक हूं। इसके अलावा मैं हिरोशिमा जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जापान के बाद पापुआ न्यू गिनी के पोर्ट मोरेस्बी का दौरा करूंगा। पापुआ न्यू गिनी की यह मेरी पहली यात्रा होगी। इसके साथ ही यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पापुआ न्यू गिनी की पहली यात्रा है। उन्होंने जानकारी दी कि 22 मई को पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे के साथ संयुक्त रूप से भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग फोरम के तीसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आभारी हूं कि सभी 14 प्रशांत द्वीप के देशों ने इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण को स्वीकार किया है।

रांची का तापमान 40 के पार, बढ़ती आबादी, बढ़ते वाहन और बढ़ती ऊंची इमारतें प्रमुख कारण

कभी हिल स्टेशन के नाम से मशहूर रांची आज HEAT ISLAND EFFECT के प्रभाव में

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची कभी हिल स्टेशन के नाम से मशहूर था लेकिन आज बढ़ती गर्मी ने यहां के लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। धीरे-धीरे रांची शहर हीट आइलैंड इफेक्ट के प्रभाव में आ रहा है। बढ़ती आबादी, बढ़ते वाहन और बढ़ती ऊंची इमारतें इस प्रभाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है कि रांची का तापमान 40 के पार कर रहा है।

इस संबंध में पर्यावरणविद डॉ. नीतीश प्रियदर्शी ने बताया कि समुद्रतल से रांची की ऊंचाई औसतन 600 मीटर है, जिसके चलते मैदानों की तुलना में बादल यहां कम ऊंचाई पर ही बनते हैं। अब रांची शहर में ऊंची इमारतों से उठती गर्म हवा इन बादलों को शहर के बाहर धकेल रही है। इस वजह से रांची के आसपास के इलाकों में तो बारिश हो रही है लेकिन शहर बारिश से वंचित है।

रांची शहर के आसपास नंगे पहाड़ों की वजह से भी गर्म हवा ऊपर उठ रही है। यही नहीं, बढ़ते शहरीकरण की वजह से यहां की मिट्टी या तो दब गई है या तो ठोस हो गई है और वो सारी गर्मी को वापस वातावरण में लौटाकर गर्मी को बढ़ा रही है। ये सभी कारण राजधानी के मौसम में आए बदलाव का कारण बन रहे हैं। समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो हालात और बिगड़ते चले जाएंगे। इसके लिए आम लोगों को भी चिंता करने की जरूरत है। रांची शहर की अपनी जलवायु है, जो यहां की ऊंची इमारतों की वजह से प्रभावित हो रही है।

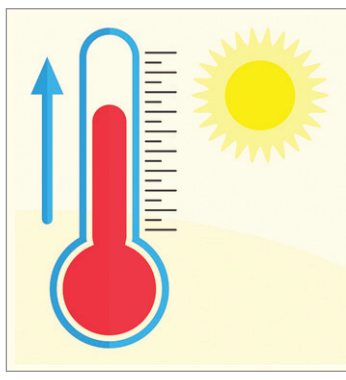

9 बजे से लेकर 4 बजे तक घर से निकलना मुश्किल

तपती गर्मी के बीच मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने राहत भरा पूवार्नुमान जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में संभावना जाहिर की है कि अगले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्से में बारिश हो सकती है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पलामू और कोल्हान में अधिकतम का पारा 43 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा है। राज्य के ज्यादातर जगहों पर गर्म हवा औ लू चल रही है। अब 9 बजे से लेकर 4 बजे तक घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग ने भी इस मौसम में सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। रांची का अधिकतम तापमान 39 .9 डिग्री और न्यूनतम 27 .0 डिग्री रहा। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 42 .8 और मेदिनीनगर का 42 .5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि इस साल झारखंड में मानसून भी देरी से प्रवेश करेगा। मेन रोड, अपर बाजार, हिंदपीढ़ी, रातू रोड, सर्कुलर रोड, पिस्का रोड, कोकर, डोरंडा आदि जगह ज्यादा गर्म हो रहे हैं। इन जगहों पर ऊंची इमारतों का होना एवं हरियाली का कम होना अहम वजह है। जब तक शहर में हरियाली रही एवं ऊंची इमारतें कम थीं, तब तक यहां के लोग हीट आइलैंड इफेक्ट से बचे रहे।

चाईबासा: IED की चपेट में आया 10 वर्षीय बच्चा, मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिले के कोल्हान के जंगल में नक्सल प्रभावित क्षेत्र टोंटो थाना क्षेत्र के रेंगड़ाहातु में गुरुवार की देर शाम आईईडी की चपेट में आने से एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई है। बच्चा अपने अभिभावक के साथ जंगल से लकड़ी और पत्ता चुनने के लिए गया हुआ था। इसी क्रम में बच्चे का पैर आईईडी पर पड़ जाने से आईडी ब्लास्ट हो गया और घटना स्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है। पश्चिम सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के द्वारा जगह जगह आईईडी विस्फोटक जमीन में लगाए गए हैं। जिसकी चपेट में आने से आए दिन ग्रामीण घायल हो रहे हैं और कई ग्रामीणों की मौतें भी हो चुकी है।

गुरुवार देर शाम की घटना

घटना गुरुवार देर शाम की बताई जा रही है। घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी। लेकिन नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण सुरक्षा के दृष्टिकोण से गुरुवार को पुलिस घटना स्थल पर नही पहुंची। शुक्रवार की सुबह जिला पुलिस और सीआरपीएफ के जवान घटना स्थल की ओर रवाना हुए हैं। टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत सीआरपीएफ 174 कैम्प स्थापित है । कैम्प के द्वारा समय समय पर नक्सलियों के खिलाफ सर्च आपरेशन चलाया जाता रहता है। पश्चिम सिंहभूम पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि गुरुवार की शाम टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत रेंगड़ाहातु से पश्चिम स्थित जंगल मे एक आईडी विस्फोट हुआ है। जिसमे एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई । इस पुरे घटना क्रम में चाईबासा पुलिस एवं सभी सुरक्षा बल इस घटना में इनके मृत्यु पर गहरी संवेदना प्रकट करते है।

झारखंड में कोरोना के बाद आई CBI व ED महामारी : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI

जैसे ही झारखंड में हमारी सरकार बनी, वैसे ही करीब दो साल तक हम कोरोना से संघर्ष करते रहे। लोगों को बचाने में लगे रहे। इसके बाद धीरे-धीरे काम शुरू ही किया कि ईडी और सीबीआई की एंट्री हो गयी। कोरोना के बाद दूसरी महामारी आ गयी। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने आज शुक्रवार को ये बातें कहीं। उन्होंने 3469 माध्यमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा। रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

मंच पर बोलते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन। ● द फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह। ● द फोटोन न्यूज

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से भरपूर है। यहां के खनिज से देश रौशन हो रहा है। बड़ी कंपनियां संचालित हो रही हैं, इसके बावजूद यह राज्य पिछड़ा है। झारखंड को मजदूरों का राज्य भी कहा जाता है, लेकिन अब दिन बदल रहे हैं। जब जेपीएससी पास करने वाले लोगों को नियुक्ति पत्र दिया, उस समय ऐसे लोग अधिकारी बने, जिनका घर में चूल्हा बीपीएल के जरिए चलता था। उस परिवार का बच्चा अब अधिकारी बन कर क्षेत्र के गरीब लोगों की सेवा कर रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी सहायक अभियंता को आश्वासन दिया कि शनिवार से उनकी पोस्टिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उनका इंतजार अब खत्म हो गया है। झारखंड के बच्चे पढ़ाई के साथ साथ टेक्नोलॉजी के बारे में भी जानेंगे। देश-दुनिया में क्या हो रहा है, उसके बारे में जानकारी जरूरी है। आने वाले दिनों में झारखंड की शिक्षा व्यवस्था अव्वल स्थान पर लाने का काम करेंगे। राज्य में उत्कृष्ट विद्यालय की शुरूआत की गयी है। आने वाले दिनों में सभी स्कूलों को उत्कृष्ट बनाया जाएगा। पैसे के अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से दूर नहीं रहेगा। चाहे उसे बाहर निजी संस्थानों में शिक्षा हासिल करने की जरूरत होगी तो भी उसके सपने को पूरा किया जाएगा।

मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि हमारी सरकार लगातार नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने में लगी है। यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। झारखंड की तरक्की के लिए हेमंत सरकार काम कर रही है, जो लोग अभी भटक रहे हैं, उन छात्रों को भी जल्द नियुक्त करेंगे। श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि हमारी सरकार गरीब-लाचार लोगों के लिए काम कर रही है। आने वाले दिनों में झारखंड की तस्वीर बदल जाएगी। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने शिक्षकों से कहा कि आप बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि बेहतर समाज के बारे में भी शिक्षा दें। जब बच्चे स्कूल से निकलें तो आपकी चर्चा पूरे राज्य में हो। शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने कहा कि जल्द ही दूसरे फेज के लिए नियुक्ति का काम शुरू कर दिया गया है। आप स्कूल जाएं तो बच्चों को अपने बच्चे जैसा पढ़ायें।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे हेमंत सोरेन

विपक्ष को एकजुट करने पर सीएम ने की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर्नाटक में सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने बेंगलुरु जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छह दिनों बाद गुरुवार की शाम को लौटे हैं। शनिवार को सीएम कर्नाटक के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे इसे लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है। सीएम की यह यात्रा कई मायनों में अहम बताई जा रही है, दिल्ली में हेमंत सोरेन ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से भी मुलाकात की थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की थी।

मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करते सीएम हेमंत सोरेन। ● द फोटोन न्यूज

दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निमार्णाधीन झारखंड भवन का निरीक्षण किया। धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और 15 दिनों में रिपोर्ट मांगी है। कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और मंत्री आलमगीर आलम भी शपथ ग्रहण समारोह में बेंगलुरु जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस दौरान विपक्षी एकता को लेकर भी चर्चा की। ध्यान रहे कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हेमंत सोरेन से आकर मुलाकात की थी और विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने को लेकर चर्चा की थी। इस मुलाकात को लेकर हेमंत सोरेन ने भी कहा था कि सभी को एकजुट करने में वक्त लगेगा। हेमंत सोरेन ने विपक्ष को एकजुट करने की रणनीति पर अपनी सहमति दी थी। सियासी गलियारों में चर्चा है कि दोनों नेताओं के बीच विपक्षी एकजुटता पर भी चर्चा हुई है। सीएम हेमंत ने रांची में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ हुई मुलाकात का भी जिक्र किया।

झारखंड में कांग्रेस और जेएमएम का गठबंधन तमात तरह के विवाद और खींचतान के बाद भी सफलता पूर्वक चल रहा है। राष्ट्रपति चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को समर्थन करना और राज्यसभा चुनाव में झामुमो द्वारा महुआ माजी को प्रत्याशी बनाने जैसी बातों को लेकर खटास नजर भी आयी। इसके बाद भी राज्य में गठबंधन की सरकार चल रही है।

कृषि मंत्री बादल ने केंद्रीय कृषि एवं कल्याण सचिव से की मुलाकात

सूखा राहत के लिये मांगे 9682 करोड़

PHOTON NEWS RANCHI

झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल ने विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीक व अन्य अधिकारियों के संग नई दिल्ली के कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं कल्याण सचिव मनोज आहूजा के साथ मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री ने केंद्रीय कृषि सचिव से कहा कि वर्ष 2022 खरीफ मौसम में कम वर्षा एवं अत्यल्प फसल आच्छादन के कारण राज्य के 22 जिलों के 226 प्रखंडों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया था, जिसके लिए राज्य सरकार ने गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से 9682.69 करोड़ों रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध केंद्र सरकार से किया है।

कृषि मंत्री ने आग्रह किया कि इसे लेकर आपदा विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए यह राशि राज्य के किसानों को दिया जाए, तो सूखा का दंश झेल रहे किसानों के लिए बड़ी राहत होगी।

कृषि मंत्री ने भारत सरकार के सचिव से कहा कि राज्य सरकार ने अपनी तरफ से पंजीकृत प्रति किसानों को 3500 रुपए दिए हैं। भारत सरकार के सचिव ने कहा कि इसे लेकर आपदा विभाग के सचिव से वे खुद बात करेंगे। बादल ने भारत सरकार के सचिव मनोज आहूजा से मुलाकात करने के बाद बताया कि राज्य के किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई बिन्दुओं पर बात हुई है। राज्य में सॉयल टेस्टिंग लैब की स्थापना, आत्मा के लिये रिवॉल्विंग फंड एवं प्रोत्साहन बढ़ोतरी सहित सभी बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई है। फसल बीमा योजना से जुड़े तकनीकी पहलु को लेकर भी उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया है।

सचिव मनोज आहूजा से मुलाकात करते कृषि मंत्री बादल। ● द फोटोन न्यूज

500 हाई स्कूलों में सॉयल टेस्टिंग लैब की व्यवस्था

वहीं विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी की मांग पर भारत सरकार के सचिव ने तुरंत अपने विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड से इस बार हनी मिशन को लेकर प्रोजेक्ट आए, तो उन्हें जल्द से जल्द अप्रूव कर राशि निर्गत की जाए। केंद्रीय कृषि सचिव मनोज आहूजा ने कहा है कि मिट्टी जांच के लिए वह 500 हाई स्कूलों को चिह्नित करें। भारत सरकार सॉयल टेस्टिंग लैब की व्यवस्था कराएगी।

कर्नाटक के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण लेकर दिल्ली पहुंचे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार

AGENCY NEW DELHI

कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बनने जा रहे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार शुक्रवार को कांग्रेस आलाकमान को निमंत्रण देने के लिए दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचने पर कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने कहा कि वे यहां कांग्रेस नेतृत्व को निमंत्रण देने पहुंचे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गांधी परिवार और अन्य वरिष्ठ नेताओं को शपथग्रहण समारोह में आमंत्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने कर्नाटक चुनाव में मार्गदर्शन दिया और परिश्रम किया। साथ ही वे निमंत्रण के साथ आगामी मंत्रिमंडल गठन को लेकर भी चर्चा करेंगे।

दिल्ली पहुंचने पर सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार ने कर्नाटक में मंत्रिमंडल गठन पर केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला के साथ चर्चा की। बैठक वेणुगोपाल के आवास पर आयोजित की गई। नेता बाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को दोपहर 12:30 बजे होने वाले समारोह के लिए बेंगलुरु के कांटेरावा स्टेडियम में तैयारियां जारी है। कांग्रेस नेतृत्व के अलावा इसमें कांग्रेस के मुख्यमंत्री राजस्थान के अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल होंगे।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस की ओर से अन्य विपक्षी पार्टियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। इनमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके डिप्टी तेजस्वी यादव और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शामिल हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, वाम दलों के नेता डी राजा और सीताराम येचुरी और अभिनेता से नेता बने कमल हासन को भी आमंत्रित किया गया है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से जिन विपक्षी दलों के नेताओं को निमंत्रण नहीं भेजा गया उनमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के तेलंगाने के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, वाईएसआर कांग्रेस के नेता एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, बसपा सुप्रीमो मायावती, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और बीजू जनता दल (बीजेडी) के नेता एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक शामिल हैं।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने गीता कोड़ा से की चाईबासा से कांग्रेस उम्मीदवार देने की मांग

PHOTON NEWS CHAIBASA:

चाईबासा सदर विधानसभा के कांग्रेस पदाधिकारियों ने आज वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और महागठबंधन के अंतर्गत सहयोगी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा बैठक कर सिंहभूम संसदीय लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी एवं सांसद गीता कोड़ा के कार्यशैली पर व्यक्तिगत मनगढ़ंत आरोप लगाने से क्षुब्ध होकर, कांग्रेसियों ने बैठक कर अपने उद्गार व्यक्त किए एवं सांसद सह प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा को अपनी भावनाओं से अवगत कराया।

कांग्रेस जिला सचिव जगदीश सुंडी, मोहन सिंह हेम्ब्रम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सवैयां, सिकुर गोप, नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार ने संयुक्त रूप से बयान जारी करते हुए कहा कि, झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा कांग्रेस को कमजोर ठहराया जाना और लोकसभा सीट उपहार में दिए जाने संबंधी बयान की कड़ी आलोचना की है, साथ ही सांसद गीता कोड़ा के कार्यशैली पर बेबुनियाद व्यक्तिगत आरोप, झारखंड मुक्ति मोर्चा के माननीय विधायकों के द्वारा लगाने एवं महागठबंधन धर्म की अवहेलना करने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

चाईबासा सदर विधानसभा स्तरीय पदाधिकारियों ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस का महागठबंधन के बदौलत ही सिंहभूम संसदीय क्षेत्र में सांसद गीता कोड़ा प्रचंड बहुमत से जीत पाई, दूसरी ओर कांग्रेस कार्यकताओं की तन मन धन से सहयोग के बदौलत ही प० सिंहभूम जिले के पाँचों विधानसभा में महागठबंधन के विधायकों को जीत मिलना संभव हो पाया।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में एक सभा को किया संबोधित, कहा

श्रीबाबू की कीर्ति को आगे बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

PHOTON NEWS BEGUSARAI

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार श्री बाबू की कीर्ति को आगे बढ़ा रही है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी मंत्रालय देश का समग्र विकास कर रही है। आधारभूत संरचना मजबूत किए जा रहे हैं। रेलवे मंत्रालय यात्री सुविधाओं में लगातार विस्तार कर रहा है। नई ट्रेनों का परिचालन, स्टेशनों का उद्धार हो रहा है। प्रत्येक दिन दस किलोमीटर की गति से रेलवे लाइन बन रहे हैं। रेल कार्बन न्यूट्रल हो गया है।

उन्होंने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के सोच और संकल्प को आगे ले जा रहे हैं। श्री बाबू की कीर्ति को आगे बढ़ा रहे हैं, उनकी धरती को संवार रहे हैं। जो किसी ने सोचा नहीं था, वह काम हो रहा है। एक सौ से अधिक योजना या तो शुरू हो गई है या शुरू होने के स्टेज में है। श्रीबाबू द्वारा गंगा नदी पर बनाए गए राजेन्द्र पुल की हालत बदतर हो गई थी। उस पुल का मरम्मत हो रहा है एवं दोनों और नए पुल भी बन रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

बरौनी थर्मल का अधिग्रहण कर एनटीपीसी दो यूनिट का निर्माण करवा चुकी है। बंद खाद कारखाना को नरेन्द्र मोदी ने नौ हजार करोड़ से अधिक देकर खाद का उत्पादन शुरू करवा दिया। अब फैक्ट्री के काउंटर से किसान खाद खरीद सकेंगे। बरौनी रिफाइनरी को 25 हजार करोड़ से अधिक देकर अपग्रेड किया जा रहा है। मुंगेर और बेगूसराय के बीच रेल-सह-सड़क पुल पर यातायात शुरू करवाया गया। शाम्हो-मटिहानी के बीच गंगा नदी पर पुल बनने की प्रक्रिया चल रही है। नरेन्द्र मोदी ने देश में उतना इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलप करवाया, जितना आज से पहले किसी सरकार ने नहीं किया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि 1950-60 के दशक में बरौनी पूरे देश में औद्योगिक नगर के रूप में चर्चित था। बाद में विभिन्न कारणों से इसका पतन हुआ। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद इसका उत्थान हो रहा है। यह विरासत और भविष्य को सारगर्भित करता है। 140 वर्षों में बरौनी रेलवे स्टेशन का समग्र विकास नहीं हुआ। मोदी सरकार विकास कर रही है तथा यह गति और तेज होगी।

बरौनी से दिल्ली के लिए सीधी रेल शुरू हो। छात्रों और दैनिक रोजगार करने वालों के हिसाब से ट्रेन की समय सारणी बने। देश में 1275 अमृत स्टेशन बन रहे हैं तो बेगूसराय में भी पांच स्टेशन अमृत भारत के तहत बन रहा है। नरेन्द्र मोदी की सरकार औपनिवेशिक बातों को खत्म कर रही है। बरौनी फ्लैग का नाम बदलने पर सहमति बनी है, रेलवे अधिकारी कार्रवाई करें। हर काम प्रधानमंत्री और रेल मंत्री नहीं कर सकते हैं। गढ़हरा में रेलवे की दो हजार एकड़ जमीन है। इसके लिए योजना बनाएं, हम सब मिलकर मंत्रालय से इसकी स्वीकृति दिलाएंगे। रेलवे यहां के जन अपेक्षा के अनुकूल कार्य करे।

डीआरएम नीलमणि ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए 2020 में न्यू बरौनी जंक्शन अस्तित्व में आया। यहां 13 जोड़ी ट्रेनें रुकती थी, अब दो जोड़ी और ट्रेन राज्यरानी एक्सप्रेस एवं कोशी एक्सप्रेस का ठहराव दिया गया है। इससे सीमांचल और कोसी पटना ही नहीं झारखंड से भी डायरेक्ट जुड़ गया। रेल मंत्रालय यहां के विकास के लिए लगातार प्रयत्नशील है तथा आधारभूत संरचना एवं यात्रियों की दिशा में लगातार हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन सोनपुर मंडल के सीनियर डीसीएम प्रसन्न कात्यायन ने किया।

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने वट सावित्री व्रत की दी शुभकामनाएं

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी माताओं-बहनों को वट सावित्री व्रत की अनेक-अनेक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति मानव समर्पण दशार्ता यह पावन पर्व आप और आपके परिवार को सुख, शांति, समृद्धि और स्वस्थ जीवन प्रदान करे, यही कामना करता हूं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी का कार्यकर्ता मिलन समारोह कल

प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते झामुमो के कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

RAMGARH : झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी की शुक्रवार को भुरकुंडा प्रखंड कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस हुई। इसमें प्रखंड के नेताओ ने बताया की आगामी 21 मई रविवार को रिभर साईड भुरकुंडा स्थित रेस्ट हाउस में झामुमो का कार्यकर्ता मिलन समारोह होगा। जिसमें झामुमो के सैंकड़ो लोग शामिल होंगे। साथ ही रिवर साइड दोतल्ला पंचायत के पूर्व मुखिया लव कुमार और वर्तमान मुखिया सत्यवंती देवी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ झामुमो की सदस्यता ग्रहण करेंगी। बताया गया कि उक्त समारोह में मुख्य रूप से पार्टी के समन्वय समिति से मनोनीत मंत्री सह महासचिव फागु बेसरा, पार्टी के केंद्रीय सचिव सह झारखण्ड परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया और रामगढ़ जिला अध्यक्ष बिनोद किस्कू शामिल होंगे। कहा गया कि झामुमो का यह कार्यकर्ता मिलन समारोह पतरातू प्रखंड में ऐतिहासिक होगा। झामुमो नेताओं ने उक्त समारोह में प्रखंड की जनता से भारी संख्या में शामिल होने की अपील की है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य रूप से झामुमो पतरातू प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र बेदिया, सचिव उदय अग्रवाल, केंद्रीय सदस्य संजय वर्मा, केंद्रीय सदस्य मुकेश राउत, जिला उपाध्यक्ष आजाद अंसारी, बीरेंद्र यादव, अनिल एक्का, टिंकू बेदिया, कामेश्वर करमाली, नकुल सिंह, अर्जुन बेदिया, नारायण यादव, विजय बेदिया आदि शामिल थे।

उपराष्ट्रपति 22 मई को केरल विधानसभा के रजत जयंती समारोह का करेंगे उद्घाटन

NEW DELHI : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 22 मई को केरल विधान सभा परिसर के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21-22 मई को केरल (तिरुवनंतपुरम और कन्नूर) की अपनी पहली दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। वे 21 मई को श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, तिरुवनंतपुरम में पूजा-अर्चना करेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ 22 मई को तिरुवनंतपुरम में केरल विधान सभा के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे, जहां वे सभा को संबोधित करेंगे और केरल विधानमंडल अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव - 2023 की एक स्मारिका का विमोचन करेंगे। विधान सभा भवन का उद्घाटन 22 मई 1998 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय के.आर. नारायणन द्वारा किया गया था। उपराष्ट्रपति उसी दिन बाद में, भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला, कन्नूर जाएंगे, जहां वे कैडेटों के साथ बातचीत करेंगे। यह भारत के किसी भी उपराष्ट्रपति द्वारा आईएनए की पहली यात्रा है।

कर्नाटक में कांग्रेस के शपथ ग्रहण में नहीं जाएंगी ममता, भेजेंगी प्रतिनिधि

KOLKATA : कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। अपनी जगह अपने प्रतिनिधि के तौर पर सांसद काकोली घोष दस्तीदार को वहां भेजने वाली हैं। शुक्रवार को पार्टी के प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट कर बताया है कि ममता बनर्जी को आमंत्रण मिला है लेकिन वहां जाएंगी नहीं। डेरेक ने शुक्रवार को ट्विटर पर लिखा कि कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके सहयोगियों ने कल (शनिवार) शपथ ग्रहण समारोह के लिए अखिल भारतीय तृणमूल अध्यक्ष और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। उन्होंने (ममता) उन्हें बधाई दी। तृणमूल की उप पार्टी नेता (लोकसभा में) काकली घोष दस्तीदार शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए पार्टी की प्रतिनिधि के तौर पर जाएंगी। शपथ ग्रहण में सोनिया और राहुल गांधी, सीताराम येचुरी, चंद्रबाबू नायडू, अखिलेश यादव, मायावती, शरद पवार, अजित सिंह भी शामिल होंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के अलावा कई अन्य मंत्री सुबह साढ़े 11 बजे शपथ लेंगे।

शाह की अध्यक्षता में गृह मंत्रालय का दूसरा चिंतन शिविर आयोजित

NEW DELHI : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का दूसरा चिंतन शिविर आयोजित किया गया। शिविर का मकसद प्रधानमंत्री के विजन 2047 को हकीकत बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करना है। गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में पहला चिंतन शिविर 18 अप्रैल को आयोजित किया गया था, जिसमें सुरक्षा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक तंत्र निर्माण किए जाने पर जोर दिया गया था। इसमें साइबर अपराध प्रबंधन, पुलिस बलों का आधुनिकीकरण, आपराधिक न्याय प्रणाली में आईटी उपयोग, भूमि सीमा प्रबंधन और तटीय सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल थे।

धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचे राजस्थान कांग्रेस के नेता सचिन पायलट

धरने पर बैठे पहलवानों से मुलाकात करते सचिन पायलट। ● द फोटोन न्यूज

NEW DELHI : राजस्थान कांग्रेस के नेता सचिन पायलट शुक्रवार को पहलवानों को अपना समर्थन देने के लिये दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचे। पहलवान पिछले काफी दिनों से जंतर-मंतर पर कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन में समय-समय पर विपक्ष के कई नेता भाग लेने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में सचिन पायलट भी शुक्रवार को यहां पहुंचे। पायलट ने धरनारत पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण शरण सिंह को यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार किया जाए।

BRIEF NEWS

डोभा निर्माण में अनियमितता के आरोप में फंसे अधिकारी पर दोबारा बैठी जांच

RANCHI : बुंडू में डोभा निर्माण योजनाओं के कार्यान्वयन में अनियमितता के आरोप में फंसे तत्कालीन भूमि संरक्षण पदाधिकारी बुंडू अरूण कुमार पर दोबारा विभागीय कार्यवाही चलेगी। अरूण कुमार वर्तमान में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी पाकुड़ व अतिरिक्त प्रभार जिला कृषि पदाधिकारी पाकुड़ के पद पर पदस्थापित हैं। उनके खिलाफ 2018 में ही रांची उपायुक्त ने प्रपत्र क गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। पूरे मामले पर जांच करायी गयी जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित पाये गये। इसके बाद विभाग ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है। रिटायर आइएएस अधिकारी गौरी शंकर मिंज को जांच संचालन पदाधिकारी बनाया गया था। गौर शंकर मिंज ने पूरे मामले पर जांच कर अपना प्रतिवेदन सरकार को भेजा। अपने प्रतिवेदन में उन्होंने कहा कि जो आरोप लगे हैं वह सही प्रतित नहीं होते साथ ही आरोपी पदाधिकारी का बचाव बयान भी सही है। प्रतिवेदन की सरकार ने समीक्षा की और इससे संतुष्टी नहीं हुई। यह बात भी सामने आयी कि जांच में पूर्ण साक्ष्यों की समीक्षा नहीं की गयी।

निजी अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश लगाए सरकार

RANCHI : राज्य के सरकारी अस्पतालों की बदहाली का फायदा निजी अस्पतालों के संचालक उठा रहे हैं। निजी अस्पताल प्रबंधकों द्वारा बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के एवज में मरीजों से मनमानी राशि वसूली जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को वैसे निजी अस्पतालों को चिन्हित कर कार्रवाई करनी चाहिए,जो मरीजों का आर्थिक शोषण करते हैं।उक्त बातें झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष सह आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कही। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को पत्र भेजकर निजी अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने सभी प्रकार के रोगों के इलाज के लिए निजी अस्पतालों में दर का निर्धारण करने और इलाज के शुल्क संबंधी जानकारी अस्पतालों में सार्वजनिक रूप से शिलापट्ट पर अंकित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आधारभूत संरचनाओं की कमी के कारण निजी अस्पताल तेजी से फल-फूल रहे हैं।

पति की हत्या मामले में पत्नी समेत दो को जेल

RANCHI : रातू पुलिस ने शुक्रवार को राजकुमार की हत्या करने के आरोप में पत्नी सोनी देवी और सचिन्द्रानाथ मिश्रा को जेल भेज दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि राजकुमार की हत्या करने से पहले दोनों आरोपियों ने खाना में धतुरा मिलाकर खिला दिया था। धतुरा खाते ही राजाकुमार नशे की हालत में आ गया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने हथियार से वार कर राजकुमार की हत्या कर मौके से फरार हो गए। सोनी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि आए दिन झगड़ा होने की वजह से वह तंग आ गई थी। उसने कई बार अपने पति को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मान रहा था। शादी के बाद से ही वह झगड़ा करने लगा था। सोनी ने बताया कि घरवाले राजकुमार से शादी करने के लिए मना कर रहे थे लेकिन उसने किसी बात नहीं मानी।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

HC ने जेजे बोर्ड में स्थाई प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट नियुक्ति मामले में राज्य सरकार से मांगा जवाब

जेजे बोर्ड, सीडब्ल्यूसी और राज्य बाल संरक्षण आयोग में रिक्त पदों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड), चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) और राज्य बाल संरक्षण आयोग में रिक्त पदों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से रांची और जमशेदपुर में जेजे बोर्ड में स्थाई प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के संबंध में जवाब मांगा है। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि राज्य में जेजे बोर्ड में कुल 3691 लंबित केस हैं। इनमें से जेजे बोर्ड में सबसे ज्यादा केस रांची में 433 एवं जमशेदपुर में 561 हैं।याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य में जेजे बोर्ड में अभी जो मजिस्ट्रेट का काम कर रहे हैं वह आधे समय जेजे बोर्ड में रहते हैं और आते समय में सिविल कोर्ट में कार्य करते हैं, जिससे जेजे बोर्ड का काम प्रभावित होता है। इसलिए राज्य के जेजे बोर्ड में स्थाई प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जाए, जिस पर कोर्ट ने रांची और जमशेदपुर में स्थाई प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की।

हजारीबाग के 38 कैदियों को सजा से छूट देने की याचिका पर हुई सुनवाई

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हजारीबाग के 38 कैदियों को सजा से छूट देने के आग्रह पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि इन कैदियों के सजा से छूट के मामले में क्या विचार किया गया है। इस संबंध में शपथ पत्र दाखिल कर अगली सुनवाई में को अवगत कराएं। कोर्ट ने मामले में अधिवक्ता एके दास को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है। हजारीबाग के 38 कैदियों ने पत्र लिखकर चीफ जस्टिस से आग्रह किया था कि उन्हें समय पूर्व छोड़ने पर राज्य सरकार रिव्यू करे और रेमिशन बोर्ड की बैठक में उनके मामले को रखा जाए, जिसे उन्हें अच्छे आचरण के लिए समय पूर्व सजा से रिहा किया जाए। इसपर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका में बदला था।

उल्लेखनीय है कि खंडपीठ को पूर्व में बताया गया था कि जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड) व सीडब्ल्यूसी अधिकतर पदों पर नियुक्ति कर दी गयी है लेकिन अब भी कई पद खाली हैं। राज्य बाल संरक्षण आयोग में अध्यक्ष व सदस्य का पद कई वर्ष से खाली हैं। पद खाली रहने के कारण आयोग सही तरीके से काम भी नहीं कर पा रहा है।

कोर्ट से राज्य सरकार ने 1984 के सिख दंगा मामले में कमीशन की रिपोर्ट पर जवाब देने के लिए मांगा समय

झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शुक्रवार को वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

मामले में राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि हाई कोर्ट द्वारा गठित वन मैन कमीशन की रिपोर्ट आ चुकी है। वन मैन कमीशन की रिपोर्ट के आलोक में राज्य सरकार अपना अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करेगी। इसके लिए सरकार की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। मामले की अगली सुनवाई आठ अगस्त निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने पैरवी की। इससे पहले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि हाई कोर्ट के आदेश पर सिख दंगा मामले को लेकर रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता में वन मैन कमिशन बनाई गई है। कमीशन ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को दे दी है। झारखंड के सिख दंगे से प्रभावित चार जिलों रांची, धनबाद, बोकारो, पलामू के लोगों को मुआवजा देने के संबंध में कमीशन ने आदेश पारित किया है और सिख दंगा मामले में झारखंड में दर्ज क्रिमिनल केस का डिटेल भी राज्य सरकार से मांगा है।

बिरसा चेक डैम निर्माण में गड़बड़ी मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

बिरसा चेक डैम निर्माण में वित्तीय गड़बड़ी मामले की जांच कराने का आग्रह करने वाली अधिवक्ता रामसुभग सिंह की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रार्थी को भी कहा है कि अगर वह सरकार के शपथ पत्र पर अपना प्रत्युत्तर देना चाहता है तो दे सकता है। इससे पहले सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया झारखंड में वर्ष 2013-14 में 300 चेक डैम बनना था। लेकिन इनमें से कई चेक डैम का निर्माण कराए बगैर ही पैसे की निकासी कर ली गई, इस तरह सरकारी राशि का गबन किया गया। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया था कि 300 बिरसा चेक डैम में से 294 चेक डैम बन गया है । इनमें से 6 चेक डैम बनने में गड़बड़ी पाई गई है, जिसे लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिस पर कोर्ट ने सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है।

जेटेट परीक्षा शीघ्र कराने के लिए पीआईएल दायर

झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर राज्य सरकार को जेटेट परीक्षा शीघ्र कराने का आदेश देने का आग्रह किया है। याचिका में कहा है कि बीते सात वर्षों से झारखंड में जेटेट की परीक्षा आयोजित नहीं हो रही है। याचिका में प्रार्थना की गई है कि सीटेट को भी जेटेट की तरह झारखंड में मान्यता दी जाए। क्योंकि, राज्य सरकार जेटेट की परीक्षा कराने में पिछले सात साल में असफल रही है। ऐसे में सीटेट पास अभ्यर्थियों की उम्र सीमा भी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। कोर्ट को बताया गया है कि वर्ष 2016 के बाद से राज्य में जेटेट की परीक्षा नहीं ली गई है।

बीज घोटाला मामले में पूर्व कृषि मंत्री कोर्ट में हुए हाजिर

रांची एसीबी की विशेष कोर्ट में बीज घोटाला के आरोपित पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता की डिस्चार्ज पिटीशन पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने खुद अदालत के समक्ष बहस की। अपनी बहस के दौरान उन्होंने एसीबी के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा के अदालत को बताया कि उन्होंने कोई गड़बड़ी नहीं की है, फिर भी उनके ऊपर बीज घोटाला में प्राथमिकी कर दी गई है। अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए उन्होंने अदालत में कुछ दस्तावेज भी सौंपने के लिए समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई के लिए छह जून की तारीख तय की है। उल्लेखनीय है कि सत्यानंद भोक्ता पहले राज्य के कृषि मंत्री रह चुके हैं। वह फिलहाल हेमंत सोरेन की कैबिनेट में श्रम मंत्री हैं।

मोदी सरनेम केस में सशरीर कोर्ट में उपस्थिति से छूट के लिए राहुल गांधी ने दायर की याचिका

मोदी सरनेम को लेकर मानहानि से जुड़े मामले में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एमएलए / एमपी कोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। रांची के एमपी /एमएलए कोर्ट ने बीते 3 मई को राहुल गांधी को उक्त मामले में सशरीर उपस्थिति से छूट संबंधित सीआरपीसी की धारा 205 के तहत दायर याचिका को खारिज कर दिया था। राहुल गांधी ने निचली अदालत में उपस्थिति से छूट का आग्रह करते हुए याचिका दाखिल कर कहा था कि इस मामले में कार्यवाही के दौरान उन्हें उपस्थिति से छूट देते हुए अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति दी जाए। इसे एमपी/ एमएलए कोर्ट ने खारिज करते हुए राहुल गांधी को इस मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट में प्रार्थी राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता दीपांकर पैरवीकार है।

दरअसल इस मामले में रांची सिविल कोर्ट एक शिकायतवाद दर्ज की गई थी। यह शिकायतवाद राहुल गांधी द्वारा मोदी सरनेम वालों पर की गई टिप्पणी के आलोक में शिकायतकर्ता प्रदीप मोदी की ओर से रांची सिविल कोर्ट में किया गया था। बता दें कि सूरत कोर्ट ने भी मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई है।

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव से छह दिनों तक पूछताछ करेगी ATS

एटीएस ने कोर्ट में पिटीशन दाखिल कर 15 दिनों की मांगी थी रिमांड

कोर्ट से पेशी के बाद बाहर निकलता गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव • फाइल फोटो

CRIME REPORTER RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को रिमांड पर लेकर छह दिनों तक पूछताछ करेगी। इसके लिए एटीएस ने कोर्ट में आवेदन दिया था। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में एटीएस ने रिमांड पिटीशन दाखिल कर अमन श्रीवास्तव की 15 दिनों की रिमांड में देने की इजाजत मांगी थी। लेकिन कोर्ट ने एटीएस को छह दिनों की ही रिमांड की मंजूरी दी है। अमन श्रीवास्तव की ओर से अधिवक्ता विश्वजीत मुखर्जी ने कोर्ट में बहस की। उन्होंने एटीएस की ओर से 15 दिनों की रिमांड मांगे जाने का पुरजोर विरोध किया। अमन श्रीवास्तव को गुरुवार सुबह न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अमन श्रीवास्तव को जब कोर्ट लाया गया, उस दौरान सिविल कोर्ट में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। छह जिलों की पुलिस के लिए चुनौती बना गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को झारखंड एटीएस ने मुंबई से गिरफ्तार किया था, जिसके बाद अमन श्रीवास्तव को बीते बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मुंबई से रांची लाया गया था।

जमीन के बदले साढ़े तीन करोड़ रुपये ठगी करने के मामले में जांच शुरू

RANCHI : गोंदा इलाके में रहने वाली महिला सीमा जैन से जमीन देने के बदल साढ़े तीन करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपित को नोटिस भेजा जाएगा और उसका बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि महिला ने बताया कि उन्होंने धीरे धीरे करके पैसा दिया है। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपित ने 80 डिसमिल जमीन देने की बात कही थी। इसके लिए इकरारनामा भी हुआ था। लेकिन जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो पाई। जब इस मामले की जांच की गई तो पता चला कि आरोपित के पास कोई जमीन नहीं है और उसने किसी जमीन का एग्रीमेंट भी नहीं करा कर रखा है। फर्जी जमीन दिखाकर उसने ठगी की है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच शुरू हो गई है।

सुहागिनों ने रखा वट सावित्री का व्रत, अखंड सौभाग्य की कामना की

सुबह से ही वट वृक्ष के समीप जुटने लगी सुहागिन, दोपहर तक लगी रही भीड़

PHOTON NEWS RANCHI : अखंड सुहाग व सुखमय दांपत्य जीवन के लिए श्रद्धालुओं ने रविवार को वट सावित्री का व्रत रखा। सोलह श्रृंगार कर वट (बरगद) वृक्ष के समीप पूजा-अर्चना की। सौभाग्य के लिए वट वृक्ष पर धागे लपेटे। भगवान को मौसमी फल, मिष्ठान, चना आदि का भोग लगाया गया। पूजा के दौरान वृक्ष को शीतलता प्रदान करने के लिए हाथ पंखा झेला गया। पूजा के बाद पंडित से वट सावित्री का कथा सुना। ईश्वर से पति की लंबी आयु व सुख-समृद्धि की कामना की। सुहागिनों ने अपने से बड़ी महिलाओं के पैर छू कर आशीर्वाद लिया। आशीर्वाद स्वरूप एक दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सुहाग की शुभकामनाएं दी। प्रसाद बांटे गए। वहीं, घर पहुंचकर पति के पैर छूये, पंखा झेलकर स्नेह प्रकट की।

वट वृक्ष के समीप पूजा-अर्चना करतीं सुहागिनी • फोटोन न्यूज

सहेलियों संग पूजा करने पहुंची नवविवाहिताएं

ऐसे तो सभी सुहागिनों के लिए वट सावित्री पूजा का महत्व है लेकिन शादी के बाद पहली बार वट सावित्री पूजा करने वाली नवविवाहिताओं के लिए बेहद खास रहा। नवविवाहिताओं के घर उत्सव जैसा माहौल रहा। ससुराल से नवविवाहिताओं को ढेरों उपहार मिले। नवविवाहिताएं सहेलियों के साथ पूजा करने पहुंची। इस दौरान पारंपरिक गीत के बोल गूंजते रहे।

सेंटर में हॉकी, एथलेटिक्स और तीरंदाजी के लिए स्पेशलिस्ट खिलाड़ी किए जाएंगे तैयार

रांची में बनेगा तीन खेलों का एक्सीलेंस सेंटर

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य से बढ़ियां खिलाड़ी निकले इसके लिए सरकार भरपूर कोशिश कर रही है। इसके मद्देनजर सरकार झारखंड में खेल के विकास के लिए खेलो इंडिया एक्सीलेंस सेंटर शुरू करने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार की पहल पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से रांची में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सेंटर खुलने जा रही है।

फाइल फोटो

इस सेंटर में मुख्यतः तीन खेलों के लिए स्पेशलिस्ट खिलाड़ी तैयार किए जाएंगे। इन खेलों में हॉकी, एथलेटिक्स और तीरंदाजी शामिल हैं। यह सेंटर रांची के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पेल्क्स होटवार में खोला जाएगा। इस सेंटर के खुलने से झारखंड के खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को और भी ज्यादा बेहतर करने का मंच मिल जाएगा। केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से साई के सहयोग से देश के सभी राज्यों में एक-एक एक्सीलेंस सेंटर खोला जाना है। अन्य राज्यों में इसकी शुरूआत हो भी चुकी है। झारखंड में इस एक्सीलेंस सेंटर का कार्यान्वयन एजेंसी झारखंड खेल प्राधिकरण (झासा) को बनाया गया है। बहुत जल्द ही साझा और साई के बीच औपचारिक एमओयू होने वाला है। यह सेंटर खोलने के लिए झारखंड सरकार से साई ने पहले ही प्रस्ताव मांगा गया था। साई के प्रस्ताव पर यह सेंटर मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स होटवार में खुलने वाला है। इसके बाद कार्यान्वयन एजेंसी झासा की ओर से खिलाड़ियों के लिए आवासीय और प्रशिक्षण सुविधा के अनुसार आवश्यक सामानों की रिपोर्ट मांगी गई थी। साझा ने सारी रिपोर्ट साई को भेज दिया है। अब इस रिपोर्ट के आधार पर इसके तहत 139 खिलाड़ियों के लिए सारी व्यवस्थाओं के साथ यह सेंटर शुरू किया जाएगा। इस सेंटर में राज्य के खिलाड़ियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। एक छत के नीचे ही खिलाड़ियों को सारी सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था खेलो इंडिया के नॉर्म्स के आधार पर उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा।

इस संबंध में झारखंड की खेल निदेशक सरोजनी लकड़ा ने बताया कि रांची में साई का सेंटर ऑफ एक्सेलेंस शुरू किया जाएगा, जिसमें तीन खेल शामिल रहेंगे। खेलो इंडिया गाइडलाइन के आधार पर साझा की ओर से पूरी जानकारी साई को भेज दी गई है।

लो वोल्टेज के कारण रुक्का PLANT से जलापूर्ति बाधित

- शुक्रवार को राजधानी को मिली 85 मेगावाट कम बिजली, दिनभर आंख-मिचौली का चलता रहा खेल
- एक घंटे में 3-4 बार बिजली का आना-जाना जारी, 24 घंटे की जगह 12-14 घंटे ही मिल पा रही बिजली

PHOTON NEWS RANCHI : बिजली की समस्या से पूरा रांची त्राहिमाम कर रहा है। शुक्रवार को राजधानी को पावर ग्रिड से 85 मेगावाट कम बिजली मिली। इसके साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या भी जारी रही। लो-वोल्टेज के कारण शुक्रवार को रूक्का से जलापूर्ति पूरी तरह से प्रभावित रही। बिजली की समस्या शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में देखने को मिल रही है। शहर में 12-14 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 5-6 घंटे ही बिजली मिल रही है। वही अब सबसे अधिक परेशानी अब लो वोल्टेज के कारण होने लगी है। पहले लोग बिजली से परेशान थी, पर अब बिजली कट और लो वोल्टेज के कारण जलापूर्ति भी बाधित हो रही है। रुक्का प्लांट से लो वोल्टेज के कारण पिछले तीन दिनों से जलापूर्ति बाधित है। पुराने और नये प्लांट में कुल 12 पावर मोटर है, जिसमें से 5-6 पावर मोटर ही चल पा रहे है। गुरुवार और शुक्रवार को सुबह जिला स्कूल और रातू रोड पाइप लाइन में आंशिक रूप से ही जलापूर्ति हो पाई है।

BIKE की डिक्की से उचक्कों ने उड़ाए 1 लाख 80 हजार रुपए

PHOTON NEWS RAMGARH

भुरकुंडा बाजार में उचक्कों द्वारा शुक्रवार को बाईक की डिक्की से 1 लाख 80 हजार रुपए निकालने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार घुटुवा बस्ती बरकाकाना निवासी सह भुरकुंडा रेस्ट हाउस में कार्यरत सीसीएल कर्मी धनेश्वर बेदिया सेंट्रल सौंदा स्थित भारतीय स्टेट बैंक से 2 लाख 90 हजार रुपए का निकासी किया था। जिसमें से 1 लाख 10 हजार रुपए सौंदा बस्ती निवासी टुकेश्वर प्रसाद को बैंक में ही दे दिया था। बाकी बचे 1 लाख 80 हजार रुपए अपने सीडी डाउन जेएच 02 जी 3313 नंबर की बाईक मेनरोड

धनेश्वर बेदिया। ● द फोटोन न्यूज

किनारे खड़ी कर सब्जी लेने चले गये। सब्जी लेकर बाईक के पास पहुंचे तो देखा कि बाईक का डिक्की खुला हुआ है और पैसे गायब हैं। उन्होंने बताया कि उनके बहनोई का देहांत हो गया है। उनके दशकर्म के लिए बैंक से पैसे निकाले थे। घटना

आम लदा पिकअप वैन पलटा, सभी सुरक्षित

PHOTON NEWS GIRIDIH

जिले के बेंगाबाद-चतरो मुख्य मार्ग पर बिशनिशरण के समीप गुरुवार रात एक आम लदा पिकअप वैन पलट गया। बताया जाता है कि दुर्घटना में वाहन चालक एवं खलासी बाल-बाल बच गए।

वैन में लदे पूरे आम सड़क किनारे गड्ढे में बिखर गये। दुर्घटना के बाद कुछ लोगों ने रात का फायदा उठाकर आम पर हाथ साफ किया। सूचना मिलते ही बेंगाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन समेत आम को कब्जे में ले लिया। जानकारी के अनुसार कोलकाता से एक पिकअप वैन आम लेकर बिहार के लिए निकला था, बेंगाबाद चतरो मार्ग पर एक मवेशी अचानक सामने आ गया। मवेशी को बचाने के दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया और पिकअप वैन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया।

के बाद उन्होंने भुरकुंडा पुलिस को तत्काल सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

एह्ला एंग्लाइज विद्यालय में बच्चों के बीच पाम प्रिंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RAMGARH

बिरसा चौक भुरकुंडा स्थित एह्ला एंग्लाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में वार्षिक क्रियाकलाप श्रृंखला के तहत शुक्रवार को पाम प्रिंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय के किंडर गार्डन के नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के तमाम बच्चे शामिल हुए।

प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने हथेली को रंगों में डुबोकर सुंदर छाप उकेरे और उसे मनमोहक चित्रों से सजाया। इसमें खास बात यह रही कि बच्चों ने ना सिर्फ चित्र बनाया बल्कि पर्यावरण व समाज के लिए जागरूकता भरा संदेश भी दीया। प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक सुंदर चित्र बनाए और उसे उत्साह पूर्वक अभिभावकों को दिखाया।

मौके पर किंडर गार्डन की प्राचार्या अंजू पटेल ने बताया कि हमारा विद्यालय ऐसे आयोजनों के जरिए बच्चों की प्रतिभा निखारता है। पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार के क्रिया-कलापों से बच्चों में पढ़ाई के प्रति मन लगा रहता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास व उन्हें हर क्षेत्र में अव्वल बनाना ही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लाने वाले प्रत्येक कक्षा के सफल 10 होनहार बच्चों को विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार व प्राचार्या अंजू पटेल ने सम्मानित किया। कक्षा नर्सरी से दिव्यांशु कुमार बेदीया प्रथम, प्रभास कुमार बेदीया द्वितीय और अलीशा कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

BRIEF NEWS

जेएम कॉलेज में कौशल विकास योजना के प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण-पत्र का हुआ वितरण

RAMGARH : पटेलनगर भुरकुंडा स्थित जेएम कॉलेज में शुक्रवार को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ। इसमें झारखण्ड कौशल विकास योजना के तत्वावधान में जेएम कॉलेज में चल रहे स्किल डेवलपमेंट के प्रशिक्षुओं के बीच प्राचार्य विद्यानंद तिवारी ने प्रमाण-पत्र का वितरण किया। मौके पर मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य विद्यानंद तिवारी ने बताया कि प्रशिक्षक विक्रम पासवान और खुशबू कुमारी द्वारा विद्यार्थियों को तीन महीने का ऑफिस ऑपरेशन एक्सक्यूटिव का सफल प्रशिक्षण दिया गया है। इसी को ले सफल प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरिण किया गया है। उन्होंने बताया कि तीन माह के कोर्स में कॉलेज के छात्र-छात्राओं को कौशल विकास विकास एवं रोजगार के अवसरो से अवगत कराते हुए प्रशिक्षण दिया गया है। प्राचार्य श्री तिवारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण व प्रमाण-पत्र विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने में काफी कारगर सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन सोनाली सिंह एवं शत्रुधन गिरी ने किया। मौके पर डॉ. शीला सिंह, संजय सिंह, डॉ. बीरेंद्र पाठक, डॉ. शिवशंकर सिंह, रामजीवन सिंह, ज्ञानेन्द्र दुबे, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. जेडी पाठक, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. अनिल कुमार, संदीप कुमार सहित कॉलेज के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थें।

15 स्कूलों के प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस

GIRIDIH : डुमरी प्रखंड के शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जयकुमार तिवारी ने शुक्रवार को वैसे स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को शो -कॉज किया है ,जिन स्कूलों में अभी तक ई- विद्यावाहिनी में चाइल्ड में डटरी फिल्ड पूर्ण नहीं किया गया है। उन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को स्पष्टीकरण भेजा गया है उसमें पीएनडी जैन इसरी,अलबुराहनअकेडमी,विद्या संस्कार पब्लिक स्कूल,गुरु कृपा पब्लिक स्कूल,बिनोद बिहारी मेमोरियल स्कूल,बिरसा विद्यालय,ग्रामीण जनता हाई स्कूल कुलगो,मदरसा नुरुल कुरान,ओसियन पब्लिक स्कूल, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, डीवीसी जूनियर अकाडमी, एमएलएस हाई स्कूल निमियाघाट, मानव विकास विद्या मंदिर, सरस्वती शिशु निकेतन, आरपी प्रोग्रेसिव पब्लिक स्कूल गुलीडांडी शामिल है। बीईईओ ने पत्र में लिखा है कि उपरोक्त विधालयों का चाइल्ड मेंडटरी फिल्ड डाटा कार्य असंतोषजनक है, जिसे 24 घंटे के अंदर पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

बीज घोटाला मामले में पूर्व कृषि मंत्री कोर्ट में हुए हाजिर

RANCHI : रांची एसीबी की विशेष कोर्ट में बीज घोटाला के आरोपित पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता की डिस्चार्ज पिटीशन पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने खुद अदालत के समक्ष बहस की। अपनी बहस के दौरान उन्होंने एसीबी के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा के अदालत को बताया कि उन्होंने कोई गड़बड़ी नहीं की है, फिर भी उनके ऊपर बीज घोटाला में प्राथमिकी कर दी गई है। अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए उन्होंने अदालत में कुछ दस्तावेज भी सौंपने के लिए समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई के लिए छह जून की तारीख तय की है। उल्लेखनीय है कि सत्यानंद भोक्ता पहले राज्य के कृषि मंत्री रह चुके हैं। वह फिलहाल हेमंत सोरेन की कैबिनेट में श्रम मंत्री हैं। बीज घोटाला मामले में नामजद आरोपित सत्यानन्द भोक्ता सहित अन्य पर करीब 20 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। इस मामले उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था।

मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा ने ट्रैफिक पुलिस को दिया लस्सी, सेव, जूस, गमछा

RAMGARH : मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा द्वारा ट्रैफिक पुलिस को शहर के सुभाष चौक, नईसराय, चट्टी बाजार, बाजार टांड़, पटेल चौक पर लस्सी, सेव, जूस, गमछा इत्यादि दिए गया। शहर में तापमान में वृद्धि देखी जा रही है और ट्रैफिक पुलिस मौसम की परवाह किए बिना सड़कों पर खड़े रहकर काम कर रहे है। यह पूरी तरह से स्वागत योग्य भाव है और उनके चेहरों की मुस्कान कई गुना बयां कर रही है कि उन्होंने कैसा महसूस किया। सेवा के लिए तत्पर रहने वाले हमारे पुलिस बंधुओ का सम्मान करने एवं उनका आभार व्यक्त करने के लिए हर वर्ष गर्मी के मौसम में मारवाड़ी युवा मंच इस कार्यक्रम को करती है। मौके पर अध्यक्ष निलिन्द अग्रवाल, सचिव आशीष अग्रवाल, धीरज बंसल, श्रृंजय मेवाड़, नरेश अग्रवाल, आशीष जैन, विजय खंडेलवाल, राहुल जैन, निखिल अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, राहुल पिलान्या, इत्यादि मौजूद थे।

निर्माणाधीन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

RAMGARH : शुक्रवार को उपायुक्त, रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा ने रामगढ़ जिला अंतर्गत चितरपुर प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उपायुक्त ने चितरपुर प्रखंड में निमार्णाधीन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर कार्य प्रगति का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने अब तक हुए कार्यों की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता को ध्यान में रखने एवं जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने निमार्णाधीन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में भी कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण निगम, प्रखंड विकास पदाधिकारी चितरपुर सहित अन्य उपस्थित थे।

जन सेवक संघ की हड़ताल 11वें दिन भी जारी

RAMGARH : जन सेवक संघ के हड़ताल का 11 वा दिन भी जारी मौके पर पहुंच कर महामंत्री जन सेवक संघ श्री लोकेश कुमार ने बताया कि धरना में बैठने के कारण जिले में जन सेबको के जिममें जो काम थे वे सभी प्रभावित हो रहे हैं उन्होंने उम्मीद जताया की जल्दी सरकार हमारी ओर ध्यान आकृष्ट कर हमारी मांगों को पूरा करेंगे साथ अनुरोध किया गया कि जल्द से जल्द हमारी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाए। इस मौके पर रविंद्र कुमार महतो, विकास प्रसाद, उमेश कुमार, अजीत कुमार गुप्ता, बिमल कुमार बेदिया, विनीता सिंह, आलोक मित्रा, परमानंद कुमार, ज्ञानी प्रताप भारती, जितेंद्र प्रसाद, विकास कुमार, संदीप कुमार, पंकज कुमार, महादेव महतो छत्रधारी महतो, आनंद कुमार, जॉर्ज टुडू, रवि सागर पाण्डेय तथा बड़ी संख्या में जनसेवक उपस्थित थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने रोजगार सेवक कुमार विवेक को चितरपुर बीपीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

RAMGARH : चितरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने रोजगार सेवक कुमार विवेक को चितरपुर बीपीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वही बीपीओ कामाख्या प्रसाद गुप्ता का तबादला मांडू प्रखंड में हुआ है. बीपीओ का अतिरिक्त प्रभार मिलने पर कहा कि रोजगार सेवक, कनीय अभियंता अपने-अपने क्षेत्रों में रहकर हर हाल में कार्यो का निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना के तहत चल रहे योजनाओं में शत-प्रतिशत कार्य करें एवं लोगों को हर संभव योजनाओं का लाभ मुहैया कराएं। दीदीबाड़ी, आम बागवानी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में मजदूरों का हर हाल में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करें. सरकार के द्वारा जो योजनाएं चल रही है उसका लाभ आमलोगों तक पहुंच सके। बीपीओ बनने पर जेई यमुना करमाली, दिलीप बेदिया, पंचायत सेवक अनिल महतो, रविंद्र महतो, ब्रम्हनंद पाठक, नेमचंद करमाली, सिकंदर अंसारी, सुमित सिन्हा, रोजगार सेवक महेंद्र नायक, शत्रुघ्न सिन्हा, रूपेश कुमार, दीपक गुप्ता, मो. इरशाद, प्रसादी महतो, मो. इकरामुल, राजकपूर रजक, बिनोद कुमार, प्रखंड समन्वयक कमल साव, विक्की नायक, लेखा सहायक सूरज राम दांगी, कंप्यूटर ऑपरेटर कुणाल कुमार आदि कर्मियों ने बधाई दी। बताते चले कि पूर्व में भी कुमार विवेक को प्रभारी बीपीओ का दायित्व मिल चुका है।

कोयलांचल, भुरकुंडा, बासल व ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक की वट सावित्री पूजा

PHOTON NEWS RAMGARH

भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को वट सावित्री पूजा धूमधाम व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही महिलाएं वटवृक्ष की पूजा के लिए क्षेत्र के बरगद (वट) पेड़ के पास पहुंची। जहां सुहागिनों ने नियम पूर्वक उपवास रखते हुए वटवृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की। साथ ही वट वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधकर अखंड सौभाग्यवती की कामना की। इस दौरान सुहागिनों ने अपने पतियो की दीघार्यु होने की भी कामना की।

पूजा के बाद पुरोहित द्वारा महिलाओं को सावित्री-सत्यवान और भगवान यमराज द्वारा सावित्री को दिये गये वरदान की कथा सुनाई गई। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार वट साबित्री व्रत जेष्ठश माह के कृष्णपक्ष अमावस्या को मनाया जाता है। मालूम हो कि इस दिन

वटवृक्ष की परिक्रमा करती सुहागिन। ● द फोटोन न्यूज

सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके पवित्र रूप से वट वृक्ष के नीचे सावित्री व सत्यवान की पूजा-अर्चना करती हैं। इसके बाद पुरोहित से कथा सुनती है। मान्यता के अनुसार कहा जाता है की सावित्री के पति सत्यवान की जब अकाल मृत्यु हो जाती है तब यमराज उनके प्राण लेकर जा रहे होते हैं, तब सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे चल देती है। यमराज उनको समझाते हैं कि उनके पति अल्पायु थे, इसलिए उनका समय पूरा हो चुका है, उनको अब जाना होगा। तब सावित्री अपने पत्नी धर्म की बात करती है और कहती है कि जहां पति जाएंगे, वहां वह भी जायेगी। यमराज सावित्री के पतिव्रता धर्म से प्रसन्न होकर तीन वर देते हैं, जिसमें सावित्री को 100 पुत्रों की माता होने का आशीर्वाद भी शामिल था। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही कथा समाप्ति के बाद पुरोहित को दान-दक्षिणा देकर सुहागिनों ने उनका आर्शीवचन लिया।

विद्यालय में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर संपन्न, प्रमाण-पत्र का हुआ वितरण

PHOTON NEWS RAMGARH

आयुष विभाग झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार पतरातू प्रखंड के सभी विद्यालयों के दो-दो हेल्थ एंड वैलनेस एंबेसडर का उच्च विद्यालय सौदा डी में 15 मई से चले रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार का समापन हुआ।

सामुदायिक चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. देवेंद्र नाथ तिवारी के देखरेख में मुख्य प्रशिक्षक राजन कुमार सिन्हा एवं सहयोगी योग प्रशिक्षका नेहल कुमारी द्वारा शिक्षकों को योगाभ्यास कराते हुए इसके लाभों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। ताकि शिक्षक-शिक्षिकाएं भी अपने-अपने विद्यालय में बच्चों को योग का नियमित अभ्यास करा सकें। शिविर में योग से संबंधित सभी आसन एवं प्राणायामओं का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें ग्रीवा चालन, स्कंद संचालन, कटि चालन, घुटना संचालन, ताड़ासन, पद्महस्ताशन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन,

विद्यालय में योगाभ्यास करते पतरातू प्रखंड के शिक्षक-शिक्षिकाए। ● द फोटोन न्यूज

भद्रासन, अर्धउष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, मरिच्यासन, भुजंगासन, शलभासन सहित विभिन्न आसनों के साथ-साथ अनुलोम विलोम, भ्रस्तिका, सूर्य नमस्कार, भ्रमरी प्राणायाम, शीतल प्राणायाम आदि योग मुद्राओं का प्रशिक्षण प्रशिक्षकों ने दिया। कहा गया कि उक्त शिविर का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य व प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों द्वारा बच्चों को नियमित रूप से योगाभ्यास कराना है। ताकि योग के प्रति बच्चे जागरूक होकर इसका लाभ उठा सकें। मौके पर सौंदा डी पंचायत के मुखिया उपेंद्र शर्मा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि डब्लू पांडेय, विद्यालय के प्राचार्य अनुज कुमार खत्री द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया उपेंद्र शर्मा व डब्लू पांडेय ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी है। योग के जरिए कई बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। प्रमाण-पत्र पाने वालों में प्रखंड के 142 शिक्षक-शिक्षिकांए शामिल हैं।

किशोरी के साथ गैंपरेप संदिग्ध युवक हिरासत में

PHOTON NEWS PALAMU

जिले में गुरूवार रात अनुसूचित जाति (एससी) की एक 16 वषीर्या किशोरी के साथ आधा दर्जन युवकों ने बलात्कार की घटना को अंजाम देकर फरार हो गये। इस घटना की पुष्टि शुक्रवार को हुसैनाबाद अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी (एसपीडीओ) पूज्य प्रकाश ने बातचीत में की है।

बलात्कार की यह घटना जिले में एक पखवाड़े के भीतर दूसरी है। इसके पहले मेदिनीनगर में एक सात वषीर्या बच्ची के साथ चालीस वर्षीय व्यक्ति ने सात मई को बलात्कार किया था। हालांकि, बच्ची के कथित बलात्कारी को पुलिस ने घटना के दूसरे दिन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, मगर बृहस्पतिवार को हुई घटना के सिलसिले में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पायी है।

हुसैनाबाद के एक गांव में बलात्कार की घटना उस वक्त घटित हुई, जब अल्पवयस्क (16) किशोरी अपने घर में अकेली थी। उसके माता-पिता अपने रिश्तेदार के यहां एक शादी समारोह में शामिल होने गये थे। पुलिस के अनुसार बलात्कारी नाबालिग के गांव के ही हैं और उसे अकेला देख जबरदस्ती घर में घुस कर सामूहिक बलात्कार किए।

एसडीपीओ ने बताया कि नाबालिग के अभिभावकों के घर लौटने पर शुक्रवार सुबह पीड़िता ने जानकारी दी, तब यह बात पुलिस के संज्ञान में आई।

उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और नाबालिग को प्राथमिक चिकित्सा हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में करा कर चिकित्सकीय परीक्षण के लिए मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भेजा गया है। इधर, पुलिस ने विशेष दल का गठन कर संदिग्ध कुछ युवकों हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ हो रही है, लेकिन गिरफ्तारी की कोई आधिकारिक सूचना नहीं है।

पर्यावरण और जल संरक्षण को लेकर छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

जब तक पर्यावरण सुरक्षित है, तभी तक हमारा अस्तित्व है: प्रो जे किड़ो

PHOTON NEWS KHUNTI

खूंटी बिरसा कालेज खूंटी की एनएसएस इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण पर शुक्रवार को रैली निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव-जन्तुओं की सुरक्षा का संकल्प लिया। प्रभारी प्राचार्या प्रो जी किड़ो ने उन्हें अधिक मात्रा में पेड़ पौधे लगाने की सलाह दी। प्राचार्या ने कहा कि जब तक पर्यावरण सुरक्षित है, तभी तक हमारा अस्तित्व है।

मानव जाति ही संपूर्ण सृष्टि की रक्षा के लिएए हमें हर हाल में

रैली में शामिल छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक। ● द फोटोन न्यूज

पर्यावरण कों बचाना ही होगा। मौके पर छात्र छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण और एवं जल संरक्षण संबंधी पोस्टर बनायें। कार्यक्रम में प्रो जी किड़ो, प्रोग्राम ऑफिसर डॉ पी सुरीन, डॉ जेएस नाग, राज कुमार गुप्ता, प्रो काली मुंडू, डॉ सिजरेन सुरीन सहित अन्य शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

चतरा में वट सावित्री पूजा के दौरान लगी आग, मची अफरा-तफरी

PHOTON NEWS CHATRA

चतरा जिले के गंदौरी मंदिर में वट सावित्री पूजा के दौरान शुक्रवार को अचानक वट वृक्ष में आग लगने से अफरा तफरी मच गयी। बताया जाता है क पेड़ के तने पर सुहागिने मौली धागा लपेट कर पूजा कर रही थी। इसी दौरान अगरबत्ती जलाते वक्त किसी महिला से धागे में आग लग गई। देखते ही देखते पूरे मौली धागा में आग लग गयी। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत कर आग को बुझाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया था।

औद्योगिक इकाइयों अंतर्गत कार्यरत अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

RAMGARH : शुक्रवार को भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय हजारीबाग के द्वारा जिमखाना क्लब, रांची रोड़ में वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2021-22 के लिए विभिन्न उद्यमों में आये हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट, अकाउंटेंट एवं अन्य अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित जिला योजना पदाधिकारी सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी रामगढ़, श्री समीर कुल्लू एवं सभी गणमान्यों द्वारा सांख्यिकी के जनक डॉ० प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी सह कार्यालय प्रभारी श्री सूरज कुमार के द्वारा उपस्थित सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी प्रशिक्षुकों को वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण से संबंधित डेटा ऑनलाइन मंत्रालय के पोर्टल में प्रविष्ट करने की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

धूमधाम से मनायी गयी हनुमान मंदिर की वर्षगांठ

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई मंगल कलश यात्रा

PHOTON NEWS KHUNTI

शहर से सटे सोसोटोली गांव के बजरंगबली मंदिर की नौवीं वर्षगांठ शुक्रवार को भक्तिपूर्ण वातावरण में मनायी गयी। इस अवसर पर सुबह भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से बाजे-गाजे के साथ निकाली गई मंगल कलश यात्रा कुसुम टोली, करर्रा रोड, नेताजी चौक, भगत सिंह चौक, तोरपा रोड, कुंजला मोड़, बेलवादाग गांव होते हुए लगभग दस किलोमीटर का परिभ्रमण कर वापस मंदिर परिसर में पहुंची।

कलश यात्रा में पीतवस्त्र धारी 501 महिलाएं व युवतियां मंगल कलशों को शिरोधार्य कर पथ संचलन कर रहे थे।

कलश यात्रा में शामिल लोग। ● द फोटोन न्यूज

इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में अन्य श्रद्धालु महिला, पुरुष और बच्चे भी शामिल थे, जो भजन-कीर्तन करते और जयकारा लगाते चल रहे थे। कलश यात्रा के पश्चात मंदिर में विधिवत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। पुरोहित फणींद्र नाथ कर के नेतृत्व में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में गांव के प्रफुल्लो राम, मिलन राम, रोहित कश्यप, संटू राम और अमित महतो मुख्य यजमान के रूप में सपत्निक शामिल हुए। बाद में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सुहागिनों ने की वट सावित्री पूजा मांगा अखंड सौभाग्य का वरदान

KHUNTI : अखंड सौभाग्य और सुख-शंति की कामना कर सुहागिनों ने शुक्रवार को वटसावित्री पूजा की सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी। सुहागिन नारियां सजधज कर पूरे श्रद्धाभाव से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की और वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधा। पंडितों ने वैदाकि मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कराई। वटसावित्री व्रत को लेक र सुबह से ही वट वृक्षों के पास संहागिनों की भारी भीड़ उमड़.पड़ी।

वट वृक्षा की पूजा और प्रदक्षिणा के लिए महिलाओं को घंटों तक इंतजार करना पड़ा। मान्यता है कि वट सावित्री की निष्ठापूर्वक पूजा-अर्चना करने से पति को लंबी आयु की प्राप्ति होती है। प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम के अलावा जिला मुख्यालय के बुढ़वा महादेव, नामकुम यिावालय, पिपराटोली स्थित शिव मंदिर के साथ ही अन्य स्थनों के वट वृक्षों की पूजा करने के लिए सोलह श्रृंगार कर महिलाएं भारी संख्या में पहुंची। तोरपा, करर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की के ग्रामीण इलाकों में भी वटसावित्री का त्यौहार श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। वटसावित्री को लेकर फलों और पूजा सामग्रियों के अलावा कपड़ों की दुकानों में लोगों की भारी भीड़ देखी गई।

पटना में स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव की तेजस्वी ने की शुरूआत

खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति देने के लिए पोर्टल लॉन्च

पटना के ज्ञान भवन में शुक्रवार को स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव की शुरूआत हुई। इसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने किया। इसके साथ ही कला, संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री जितेंद्र कुमार राय भी शामिल हुए। बिहार सरकार ने राज्य के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति देने का निर्णय लिया है। वैसे सभी खिलाड़ियों जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वह नौकरी के योग्य होंगे। खिलाड़ी खेल नियुक्ति पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। तेजस्वी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार को खेल के मानचित्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करना है। स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव 20 मई तक आयोजित होगी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण ने बताया कि कॉन्क्लेव में प्रसिद्ध ओलंपिक खिलाड़ी, प्रशिक्षक, खेल विशेषज्ञ और खेल प्रबंधक बिहार में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए विचार और महत्वपूर्ण सुझाव देंगे। इसके आधार पर सरकार को नई खेल नीति के दिशा निर्देश और अनुपालन में काफी सहयोग मिलेगा। कॉन्क्लेव 2.0 के आयोजन स्थल ज्ञान भवन में एक गेमिंग जोन की भी व्यवस्था की गई है। बिहार के बच्चों और युवाओं को, दुनिया भर में तेजी से प्रचलित हो रही खेल की इस आधुनिक कला ह्यह्यई स्पोर्ट्सह्लह्ल के प्रति जागरूक करने तथा प्रोत्साहित

करने के उद्देश्य से गेमिंग जोन बनाया गया है। वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर बिहार को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने और दूसरे को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विजेता की उपलब्धियों के साथ तस्वीर की प्रदर्शनी भी ह्यह्यवाल ऑफ फेमह्लह्ल के रूप में लगाई गई है। कॉन्क्लेव में प्रमुख हस्तियों में पद्मभूषण और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य प्रशिक्षक पुलेला गोपीचन्द, पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित ओलंपियन और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के महानिदेशक संदीप प्रधान, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गगन नारंग, प्रसिद्ध खेल प्रबंधक और प्रस्तुतकर्ता और प्रो कबड्डी लीग के सह संस्थापक चारु शर्मा, खेल और युवा विभाग ओडिशा के संयुक्त सचिव रंजीत रीदा ,नैशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एण्ड रिसर्च के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ.बिभू कल्याण नायक ,यूरोपियन बिजनेस एण्ड टेक्नॉलजी सेंटर के प्रबंध निदेशक पॉल वी. जेनसेन, रामचन्द्र सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस के निदेशक प्रो. अरुमुगम सिवारमण, भारतीय बास्केटबाल टीम की पूर्व कप्तान दिव्या सिंह, नमिता चंदेल, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे और एनडीटीवी की स्पोर्ट्स एडिटर रिका रॉय आदि शामिल हैं। कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री, जितेंद्र राय ने कहा की हमारे बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है। बिहार के खिलाड़ियों को सही तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा तो वह निश्चित तौर पर अच्छा करेंगे। हम सब मिलकर आने वाले समय में बिहार को खेल क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए काम करेंगे। साथ ही खिलाड़ियों को कहा की आप दिल से खेले तो आने वाले समय में निश्चित तौर पर बिहार के खिलाड़ी ओलंपिक में शामिल होंगे।

बिहार के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार के कई जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो रही है तो कुछ जिलों में मौसम सामान्य बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के उत्तरी हिस्से में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, दक्षिणी हिस्से में मौसम सामान्य रहेगा। 21 मई को पूरे बिहार में बारिश होने की संभावना हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ जम्मू कश्मीर से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में एक्टिव है। वहीं, दूसरा विक्षोभ बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है। इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के 17 जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बिहार के 17 जिलों में तेज हवा, बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, बांका, मुंगेर और जमुई जिला शामिल हैं। पिछले 24 घंटे में औरंगाबाद जिला सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही पटना का अधिकतम तापमान 37 डिग्री, नालंदा का 37.4 डिग्री, नवादा का 38.7 डिग्री, गया का 39.6 डिग्री, छपरा का 38.6 डिग्री, शेखपुरा का 38.7 डिग्री, भागलपुर का 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तरबूज की खेती से इसबार लागत भी नहीं निकली

जिले के दियारा इलाके में तरबूज की खेती से इस बार किसानों को फायदा नहीं बल्कि नुकसान हो रहा है। पछुआ हवा ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। जिससे दियारा इलाके के कई एकड़ में तरबूज की खेती बर्बाद हो गई। तरबूज का पूर्ण विकास नहीं होने और पीलापन आने के कारण खरीदार नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में इन तरबूजों को किसान खेतो में ही छोड़ देते हैं। सदर प्रखंड के सीहोरवा गांव स्थित दियारा इलाके में गंडक नदी के किनारे 7 एकड़ में तरबूज की खेती करने वाले किसान गुलजार ने पछुआ हवा से खेतों में बर्बाद तरबूज की फसल को दिखाते हुए कहते हैं कि इस साल पूरी फसल बर्बाद हो गई है। पछुआ हवा के कारण फसल सुख गई है। अब चिंता सता रही है की अब कर्जदारों को पैसा कैसे चुकाएंगे। घर जाने के लिए पैसे भी नहीं है। ये कहानी केवल गुलजार की ही नहीं बल्कि गुलजार जैसे कई ऐसे किसान हैं जिसपर पछुआ हवा का प्रभाव। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले

के निवासी गुलजार ने 7 लाख की लागत से 7 एकड़ में तरबूज की खेती की। इनके अलावा सगे संबंधित और पूरा परिवार तरबूज की खेती से जुड़े हुए हैं, लेकिन इस साल मौसम की मार ने इनके सपनों पर पानी फेर दिया है। पिछले साल की खेती काफी अच्छी हुई थी जिससे गुलजार ने 50 से 60 हजार रुपए मुनाफा कमाया था, लेकिन इस बार पूंजी भी नहीं निकल पाई है। पछुआ हवा के कारण तरबूज की मिठास फिका पड़ने के कारण किसानों में मायूसी है। पिछले कुछ सालो से कोरोना ,बाढ़ और अब पछुआ हवा ने किसानों की हालत को सूखा दिया है।

धीरेंद्र शास्त्री और मनोज तिवारी की गाड़ी का कटा चालान

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री 13 मई को पटना पहुंचे थे। उन्हें बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कार ड्राइव कर एयरपोर्ट से होटल पनाश पहुंचाया था। इस दौरान ना तो बीजेपी सांसद ना ही पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सीट बेल्ट लगाई थी। इस मामले में जांच पूरी होने के बाद अब पटना पुलिस ने जुमार्ना लगाया है। इस बात की पुष्टि पटना के ट्रैफिक एसपी पूरन कुमार झा ने की है। एक हजार रुपए का चालान ऑनलाइन भेजा गया है। कार मध्यप्रदेश के छतरपुर निवासी इंदर विक्रम सिंह बुंदेला के नाम पर रजिस्टर्ड है। छतरपुर में ही बागेश्वर धाम स्थित है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री जिस गाड़ी में बैठे थे उसका चालान कटने के बाद सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। नीतीश सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने इसको लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज है। नियम तोड़ने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे जो कोई हो। बाबा हो या संत। हर किसी के लिए नियम एक है। ता दें कि पटना एयरपोर्ट से निकलने का वीडियो सामने आया था। जिसकी जांच में यह पाया है कि 13 मई को धीरेंद्र शास्त्री और सांसद मनोज तिवारी ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने एक्शन लिया है। यह चालान कहीं से भी ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। जिस गाड़ी का चालान काटा गया है वो मध्य प्रदेश की है। इस गाड़ी का 11 मई को भी एक हजार का चालान कट चुका है, जो कि जमा नहीं किया गया है। पटना पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि 1 हजार रुपए का चालान झांसी में कटा था। गौरतलब है कि पटना के तरेत पाली में धीरेंद्र शास्त्री की 13 से 17 मई तक हनुमंत कथा हुई थी। इस दौरान लाखों की संख्या में भक्त पहुंचे थे।

जिस स्कूल बस से बच्चा उतरा उसी ने कुचला मौत

वैशाली में 5 साल के बच्चे को उसी की स्कूल बस ने कुचल दिया। स्कूल से लौटने के बाद बच्चा बस से उतरा था। वह घर जाने के लिए महज 20 कदम ही चला होगा, तभी ड्राइवर ने बस बढ़ा दी। बच्चे को पीछे से बस ने धक्का मारा, फिर रौंदते हुए निकल गई। बस का पिछला पहिया बच्चे के सिर पर चढ़ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें बस ड्राइवर की लापरवाही कैद हो गई है। हादसा गुरुवार को चेहराकलां छौराही गांव के केशव चौक पर हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्कूल बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मासूम की पहचान विजय चौधरी के 5 साल के बेटे प्रीतम कुमार के रूप में हुई है। प्रीतम नर्सरी क्लास में सूर्या इंटरनेशनल

स्कूल सुपौल टरिया में पढ़ता था। बच्चे के पिता विजय चौधरी गुवाहाटी में रहकर किसी कंपनी में मजदूरी करते हैं। वो गुवाहाटी में ही थे। इस संबंध में स्कूल मैनेजर रवि कुमार ने कहा कि बच्चे की मौत से हम भी दुखी हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए था। परिवार और गांव के प्रतिनिधियों ने इस मामले में समझौता करवा दिया है। आक्रोशित लोगों ने बताया कि स्कूल वाले पैसे बचाने के लिए बस में अटेंडर नहीं रखते हैं। इसकी वजह से ये हादसा हुआ। अगर बस में अटेंडर होता तो ये हादसा नहीं होता। अटेंडर नहीं होने के चलते बस ड्राइवर बच्चे को नहीं देख पाया और गाड़ी उसके ऊपर चढ़ा दी। बच्चे की मौत के बाद परिवार ने स्कूल बस में तोड़फोड़ की। आक्रोशित लोगों को समझाने के लिए कटहरा, गोरौल और महुआ थाना की पुलिस पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद जाम हटाया गया। स्कूल के बाहर भी जमकर हंगामा किया। इसके बाद गांव में पंचायत बुलाई गई। इसमें स्कूल से भी लोग शामिल हुए। पंचायत ने स्कूल को 6 लाख रुपए देने को कहा। पंचायत के फैसले को स्कूल और बच्चे के परिवार ने भी मान लिया। इसके बाद मामले को रफा-दफा कर दिया गया। पुलिस ने कोई शिकायत नहीं की गई है। शव का पोस्टमॉर्टम भी नहीं कराया गया है।

नींद की दवा देकर रेप करते सुबह कपड़े खुले मिलते

रक्सौल में ट्रेनिंग के नाम पर यौन शोषण; मुजफ्फरपुर में ट्रेन से 12 लड़कियों को किया रेस्क्यू

पूर्वी चंपारण के रक्सौल में नौकरी और ट्रेनिंग के बहाने लड़कियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। झारखंड की 16 साल लड़की भी इस गिरोह के झांसे में आ गई। लड़की के साथ वहां नींद की गोली देकर सोने के बाद रेप किया जाता। वो सुबह उठती तो उसके कपड़े खुले मिलते थे। महिला हेल्प लाइन की काउंसिलिंग में लड़की ने ये बातें बताई हैं। लड़की की एक सहेली रक्सौल में ट्रेनिंग ले रही थी। उसी ने नाबालिग को नौकरी के बारे में बताया था। लड़की ने रजिस्ट्रेशन कराया। शुरूआत में सब ठीक रहा, लेकिन कुछ दिन बात परिवार की लड़की से बात होनी बंद हो गई। इसके बाद मां ने पुलिस में केस दर्ज कराया। इसके बाद पटना महिला हेल्प लाइन को इसकी सूचना दी गई। इसी बीच पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ लड़के-लड़कियां सदभावना एक्सप्रेस से कहीं जा रहे हैं। इसके बाद रेल एसपी मुजफ्फरपुर को एक्टिव किया गया। पुलिस ने 12 लड़कियों को ट्रेन से उतारा है। लड़की ने पुलिस को बताया कि उसकी हालत देखकर 21 लड़के और लड़कियां वहां से भाग चुके हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने वहां से 8 लड़कियों को भी मुक्त कराया है। साथ ही महिला सहित 2 को रक्सौल पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। मुजफ्फरपुर रेल एसपी डॉ. कुमार

आशीष ने बताया कि सदभावना एक्सप्रेस से उतारे गए युवाओं के परिजनों को जानकारी दे दी गई है। साथ ही महिला हेल्प लाइन से काउंसलिंग भी कराई गई है। इसकी एक विस्तार से रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी गई है। मुख्यालय और मोतिहारी पुलिस कार्रवाई कर रही है। रक्सौल में डीबीआर यूनिक प्राइवेट लिमिटेड की कई ब्रांच हैं। यहां कंप्यूटर कोर्स के साथ आयुर्वेदिक दवा की मार्केटिंग करने की ट्रेनिंग दी जाती है। इससे बिहार-झारखंड और बंगाल के 12 सौ से अधिक युवक-युवती जुड़े हुए हैं। फिलहाल सभी फरार बताए जा रहे हैं, मोबाइल भी इनका बंद हैं। नाबालिग बच्ची की मां ने अपनी शिकायत में बताया था कि मेरी बेटी अपनी स्कूल की सहेली के साथ वहां पहुंच गई थी। तीन हजार रुपए देकर उसने रजिस्ट्रेशन भी कराया था। मैं बेटी के साथ वहां रह रही थी। कुछ दिन बाद संस्थान के लोगों ने मुझे जबरदस्ती मिथिला एक्सप्रेस में बैठाकर घर भेज दिया। घर आने के 2 दिन तक मेरी बेटी से बात होती रही। इसके बाद बात होना बंद हो गया। बेटी ने किसी तरह किसी लड़की के मोबाइल से फोन कर वहां के हालात बताए। इसके बाद मैंने एसएसबी और अन्य संस्थानों की मदद से रक्सौल थाने में केस दर्ज कराया। आपको बता दें कि मंगलवार को सद्भावना एक्सप्रेस से मुजफ्फरपुर रेल पुलिस ने 12 युवक-युवतियों को उतारा था। इसमें दो नाबालिग थे। पूछताछ में पता चला कि नौकरी और ट्रेनिंग दिलाने के नाम पर युवतियों का यौन शोषण किया जा रहा था।

संक्षिप्त -समाचार

नालंदा में छात्र ने फंदे से लटकर की खुदकुशी

नालंदा में एक युवक ने गुरुवार को फंदे से लटक खुदकुशी कर ली। मामला औंगारी थाना क्षेत्र अंतर्गत औंगारी गांव का है। मृतक की पहचान रंजीत कुमार के बेटे जय प्रकाश अंकित(19) के रूप में हुई है। देर शाम पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए लेकर सदर अस्पताल बिहार शरीफ पहुंची। जयप्रकाश अंकित के चाचा संजय प्रसाद ने बताया कि दोपहर में पढ़ाई करने के उपरांत अंकित घर पहुंचा, इसके बाद उसने खुद को घर के एक कमरे में बंद कर लिया। जब उसके दोस्त शाम में बुलाने आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी पुकारने के बावजूद भी अंकित ने किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दी, इसके बाद उसके दोस्तों ने दरवाजे को तोड़ दिया तो देखा कि अंकित अंदर फंदे से झूल रहा है। इस बात की सूचना उसने आस-पड़ोस और स्थानीय थाना पुलिस को दी। युवक के माता-पिता नोएडा दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। जय प्रकाश अंकित 11वीं में पढ़ाई कर रहा था। फिलहाल उसने खुदकुशी क्यों की है इस पर सस्पेंस बना हुआ है। वह घर में अपने दादी के साथ रहता था। औंगारी थाना अध्यक्ष अनिता कुमारी ने बताया कि सूचना मिलने के उपरांत पुलिस गांव पहुंची, इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। यूडी केस दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। परिजनों के द्वारा युवक के माता-पिता को घटना के संदर्भ में जानकारी दे दी गई है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के प्रयास में पुलिस जुट गई है। युवक अपनी दादी के साथ घर पर रह रहा था।

तुम मुझे पसंद नहीं हो फिर काट दिया हाथ-पैर

समस्तीपुर में शराब के नशे में पति ने पत्नी पर तावा से हमला कर हाथ-पैर काट डाला। घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुरलख गांव की है। हल्ला होने पर जुटे पड़ोसियों ने जख्मी महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जख्मी महिला की पहचान गांव के रंदीप भगत की पत्नी विपती देवी के रूप में हुई है। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद पति मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। घटना के संबंध में पीड़िता विपती देवी ने बताया कि उसका पति रंदीप भगत उसे पसंद नहीं करता है। अक्सर वह शराब के नशे में मारपीट करता है। बीती रात भी वह नशे में घर लौटा था और उसे घर से भगाने लगा। वह कहता है कि तुम मुझे पसंद नहीं हो। मेरी घर से चली जाओ। शादी 4 साल पहले हुई है। पत्नी ने विरोध किया तो रंदीप ने घर में रखे तावे से हमला कर दिया, जिससे उसका दाहिना हाथ और पैर कट गया। बाद में हल्ला होने पर आसपास के लोग जुटे तो पति मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से घटना की जानकारी पुलिस के 112 नंबर टीम को दी गई, जिसके बाद महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर अस्पताल में पदस्थापित मुफस्सिल थाने के दरोगा विनय कुमार ने बताया कि शराब के नशे में पति ने घटना को अंजाम दिया। महिला का बयान दर्ज कर प्राथमिकी के लिए भेजा जा रहा है।

गिरिराज बोले-मंदिर तोड़ने के लिए मेरी चिता से गुजरना होगा

पटना के अशोक राजपथ पर पटना कॉलेज के सामने स्थित 300 साल पुराने ब्रह्म स्थान को डबल डेकर पुल के निर्माण के लिए तोड़ा-जाना है। इसके खिलाफ दुर्गा मंदिर के पुजारी अरविंद पाठक कई दिनों से धरना पर बैठे हैं। अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मंदिर के समर्थन में उतर गए हैं। मंदिर ना तोड़े जाने के समर्थन में आज गिरिराज सिंह धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान गिरिराज सिंह ने कहा कि वो मंदिर को तोड़ने नहीं देंगे। ऐसा करने के लिए उन्हें मेरी चिता से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि इस भारत की पहचान सनातन से है। सनातन की पहचान दुर्गा, राम, कृष्ण, लक्ष्मी काली से है। गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि लगातार यहां पर लोगों ने अनशन किया, धरना दिया, लेकिन उसके बाद भी मंदिर को तोड़ने की साजिश चल रही है। यह 300 साल पुराना मंदिर है। अंग्रेजों के जमाने में अगर यह नहीं टूटा तो, यह नए अंग्रेज अगर इसे तोड़ना चाहते हैं। हम इसका विरोध करेंगे। जदयू के एमएलसी और प्रवक्ता नीरज कुमार ने गिरिराज सिंह को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री को पहले यह मालूम होना चाहिए अशोक राजपथ में मंदिर के बारे में वो किस पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।उनके मित्र नवीन कुमार सिन्हा के पुत्र और भाजपा विधायक नितिन नवीन जब पथ निर्माण मंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में सड़क का एलाइनमेंट पूरा हुआ था। तभी सड़क में आने वाले धार्मिक संरचना को हटाने का फैसला लिया गया था।

इसका मतलब यह है कि गिरिराज सिंह जो कह रहे हैं उसके अनुसार उनकी पार्टी के विधायक भी सनातन विरोधी हैं। अगर वह सनातनी थे तो उनको सहमति ही नहीं देनी चाहिए था। इसका मतलब साफ है कि आप अपने दल के विधायक को ही भाषाई रूप से अपमानित कर रहे हैं। पुजारी का कहना है कि यह मंदिर प्राचीन काल का है। इस मंदिर की खास विशेषता है। सभी बड़े दिग्गज नेता जिन्होंने पटना कॉलेज से पढ़ाई की, इनमें बिहार के मुख्यमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री तक इस मंदिर में आते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। पुजारी के बेटों ने भी डीएम से गुहार लगाई है। कहा कि अगर यहां से मेट्रो निर्माण किया जा रहा है तो कुछ रास्ता निकाला जाए। ताकि मंदिर भी बचा रहे और विकास में भी कोई बाधा ना आए।

औरंगाबाद में उत्पाद विभाग की टीम ने युवक को पीटा

औरंगाबाद में शराब धंधेबाजों का मुखबिर बताकर उत्पाद विभाग की टीम ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसके कारण युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के मई गुमटी समीप स्थित दुकान की है। जख्मी रामाशीष दास रफीगंज थाना क्षेत्र के बदोपुर गांव का रहने वाला है। घटना के बाद उसे इलाज के लिए रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी स्थिति नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक की छाती में गंभीर चोटें लगी है। इससे सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। गुरुवार की रात उत्पाद विभाग की टीम बदोपुर शराब धंधेबाजों के खिलाफ छापेमारी करने गई थी, लेकिन उत्पाद विभाग की टीम को कुछ भी हाथ नहीं लगा। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम वापस लौट रही थी। मई गुमटी पर रामाशीष दास की दुकान है। जिसमें वह बैठा था। उत्पाद विभाग की टीम दुकान के सामने गाड़ी रोककर रामाशीष के पास पहुंची और रामाशीष का मोबाइल छीन लिया। और शराब माफियाओं को पुलिस की आने की सूचना देना का आरोप लगाया गया। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने रामाशीष की पिटाई कर दी। इसके बाद वह थोड़ी देर के लिए बेहोश हो गया। उत्पाद विभाग के टीम में शामिल जवानों ने पास के चापाकल पर उसका चेहरा धोया गया।

कर्नाटक में सिद्धरमैया

कर्नाटक में कांग्रेस की एक बड़ी जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के दो प्रमुख दावेदारों सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच जारी रस्साकशी और उसे लेकर बाहर मीडिया में जैसी खबरें पिछले पांच दिनों तक प्रसारित होती रहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उनका इससे बेहतर उत्तर नहीं तलाश सकते थे। राज्य में पार्टी की जीत के दो सबसे आकर्षक चेहरों को उन्होंने सरकार के दो प्रमुख चेहरे के तौर पर चुना है। सिद्धरमैया मुख्यमंत्री होंगे और डीके शिवकुमार उप-मुख्यमंत्री के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी बने रहेंगे। यूं तो राजनीति में उतरने वाले हरेक व्यक्ति की यही मनोकामना होती है कि वह सत्ता के शिखर पद पर बैठे, मगर तमाम योग्य लोगों में खुशकिस्मत कोई एक ही होता है। इस फैसले में कांग्रेस आलाकमान की दूरदर्शिता और मजबूरी, दोनों पढ़ी जा सकती है। एक तरफ, उसने राज्य के सबसे लोकप्रिय व अनुभवी राजनेता सिद्धरमैया को सरकार के मुखिया के तौर पर चुना है। दूसरी तरफ, उसने डीके शिवकुमार की बेहतरीन सांगठनिक क्षमता का सम्मान करते हुए उन्हें प्रदेश की पार्टी इकाई का मुखिया बनाए रखा है। अब इस जोड़ी पर लोकसभा चुनाव में कर्नाटक से बेहतर परिणाम देने का दबाव होगा। गौरतलब है, पिछले आम चुनाव में कांग्रेस 28 में से सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। जहां तक मजबूरी की बात है, तो इस फैसले में उसे अपने सिद्धांत से एक बार फिर समझौता करना पड़ा है। पार्टी ने उदयपुर चिंतन शिविर में ह्यएक व्यक्ति एक पदह्ल का संकल्प लिया था। मगर अब डीके शिवकुमार को सरकार व संगठन में दो अहम पद सौंपे जाने का उदाहरण भविष्य के महत्वाकांक्षी नेताओं को पार्टी में सौदेबाजी का आधार मुहैया करा सकता है। किसी भी लोकतांत्रिक पार्टी में आंतरिक प्रतिस्पर्द्धा स्वाभाविक बात है, बल्कि यह उसकी जीवंतता का अनिवार्य पहलू भी है, पर क्या अनुशासित हुए बिना कोई संगठन अपना लक्ष्य हासिल कर सकता है? खुद कर्नाटक ने इसका उदाहरण दिया है। कांग्रेस ने राज्य के मतदाताओं को यही संदेश दिया कि वह एकजुट है और निश्चित कार्यक्रमों के वादे के साथ जनादेश की मांग कर रही है। मगर परिणाम के बाद उसके सरकार गठन की कवायद को लेकर नकारात्मक बातें ही सुर्खियां बनीं। ऐसा नहीं है कि सत्ता की रस्साकशी सिर्फ कांग्रेस में होती है। उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के नेतृत्व को भी कई राज्यों में मुख्यमंत्री चुनने में वक्त लगा। मगर इन दोनों पार्टियों के नेताओं में फर्क यह है कि भाजपा अपने सांगठनिक अनुशासन के प्रति अधिक जागरूक है। पिछले वर्षों में हमने कई बार देखा कि जब पार्टी ने कोई फैसला कर लिया, तो फिर उसे सबने शिरोधार्य किया। सांविधानिक औचित्य की बहस को परे रखकर देखें, तो क्या आप आज की कांग्रेस में यह कल्पना कर सकते हैं कि विधानसभा में अपनी सीट गंवा चुके एक व्यक्ति को पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री या उप-मुख्यमंत्री बनाने का फैसला करे और सभी विधायक उसे खुशी-खुशी कुबूल कर लें?

कर्नाटक की कमान

कर्नाटक के दो कद्दावर नेताओं सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश की थी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव जिताने में दोनों की अहम भूमिका मानी जा रही है। ऐसे में स्वाभाविक ही पार्टी आलाकमान के सामने मुश्किल थी कि वह दोनों में से किसे मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपे। जिन दलों में कई कद्दावर नेता होते हैं, वहां ऐसी दुविधा की स्थिति पैदा होती ही है। अगर उनमें संतुलन न साधा जाए, तो सरकार के कामकाज में अड़चनें बनी रहती हैं और फिर अगले चुनावों का गणित भी बिगड़ता है। सिद्धरमैया अनुभवी नेता हैं, इससे पहले पांच साल तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनका कार्यकाल संतोषजनक रहा है। फिर कर्नाटक में उनका बड़ा जनाधार है। इस चुनाव में भी कांग्रेस अगर अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों को अपने पक्ष में जोड़ सकी, तो उसके पीछे सिद्धरमैया का प्रभाव ही काम आया। आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में सिद्धरमैया को नाराज करना कांग्रेस के लिए परेशानी मोल लेना साबित हो सकता था। फिर चुनाव घोषणापत्र में कांग्रेस ने जो पांच बड़े वादे किए हैं, उन्हें मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में पूरा करने का संकल्प है। इसके लिए दृढ़ राजनीतिक नेतृत्व और कुशल आर्थिक संयोजन बहुत जरूरी है। इस मामले में सिद्धरमैया ही कारगर साबित हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में सिद्धरमैया के गणित का लोहा विपक्षी भी मानते रहे हैं। उनके बरक्स डीके शिवकुमार पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं, उनकी निष्ठा और लगन में कोई कमी नहीं। इस चुनाव में उनकी मेहनत नतीजों में भी परिवर्तित हुई। मगर सबसे बड़ी अड़चन उनके साथ यह है कि उन पर कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं, जिसके चलते उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अगर कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बिठा देती और आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय सक्रिय होकर उन्हें फिर गिरफ्तार कर ले जाते, तो पार्टी के लिए नई मुसीबत खड़ी हो जाती। इसलिए चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद से ही पार्टी में उन्हें लेकर हिचक साफ दिखाई दे रही थी, पर डीके शिवकुमार अपनी दावेदारी पेश करने और दबाव बनाने का प्रयास करते रहे। मगर पार्टी ने उचित ही व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए उन्हें उप-मुख्यमंत्री का पद दिया।

कर्नाटक को संकट से उबारने में सोनिया कामयाब

ANALYSIS

✍ प्रभुनाथ शुक्ल

सोनिया गांधी एक सुलझी हुई और गंभीर महिला हैं। हालांकि वह बोलती कम है, लेकिन पार्टी पर जब चौतरफा हमला होता है तो वह खुद आगे आकर कमान संभालती हैं। डीके शिवकुमार सोनिया गांधी के बेहद करीबी हैं। सोनिया गांधी के आशीर्वाद से ही डीके शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। क्योंकि तिहाड़ जेल में जब शिवकुमार बंद थे तो सोनिया गांधी स्वयं उनसे मिलने गई थी। ऐसे हालात में डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी के सामने झुकना ही पड़ा। हालांकि डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी ने पूरा भरोसा दिया है की उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और वे प्रदेश अध्यक्ष साथ उपमुख्यमंत्री की भी कमान वह संभालेंगे। कर्नाटका में कांग्रेस की जीत हुई है, लेकिन पूरा विपक्ष एक तरह से खुद की जीत इसे मान रहा है। क्योंकि जिस तरह कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है। विपक्ष के लिए आक्सीजन मिल गया है। विपक्ष को भी एक बात समझना होगा कि बगैर कांग्रेस के विपक्ष भजपा से यह लड़ाई नहीं जीत सकता है। उसे कांग्रेस के साथ खड़े रहना होगा। विपक्ष में काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कर्नाटक की जीत के बाद विपक्ष को 2024 लोकसभा चुनाव दिख रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब कांग्रेस के करीब आने लगी। उन्होंने तकरीबन 200 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सहयोग करने की बात कहा है।

सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद अब कर्नाटक संकट खत्म हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आने के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह की उठापटक जारी थी उसका संदेश जनता के बीच गलत जा रहा था और कांग्रेस की जीत पर बुरा असर डाल रही थी। लेकिन सोनिया गांधी ने वक्त रहते इस समस्या का समाधान कर दिया। कांग्रेस की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है, क्योंकि उसने घर के झगड़े को निपटा दिया। पार्टी को मिले भारी जनादेश की मांग भी यही रहीं। कांग्रेस ने घरेलू झगड़े को निपटा कर राजनीति में अपनी साख को और बेहतर किया है।यह भाजपा के लिए आंतरिक रूप से झटका है। क्योंकि यह विवाद जितना लंबा खींचता भाजपा कांग्रेस की जीत पर उतना तीखा हमला करती। लेकिन समय रहते सोनिया गांधी ने अच्छा फैसला लिया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद यह संदेश साफ हो गया है कि उन्होंने राजनीति से भले सन्यास लिया हो, लेकिन पार्टी में दस जनपथ यानी गांधी परिवार का हस्तक्षेप उतना ही मजबूत है जितना कभी था और है। यह दीगर बात है कि पार्टी की कमान इस वक्त खड़गे के हाथ में है। पार्टी में सोनिया गांधी की साख एक अलग तरीके की है। सोनिया गांधी एक सुलझी हुई और गंभीर महिला हैं। हालांकि वह बोलती कम है, लेकिन पार्टी पर जब चौतरफा हमला होता है तो वह खुद आगे आकर कमान संभालती हैं। डीके शिवकुमार सोनिया गांधी के बेहद करीबी हैं। सोनिया गांधी के आशीर्वाद से ही डीके शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। क्योंकि तिहाड़ जेल में जब शिवकुमार बंद थे तो सोनिया गांधी स्वयं उनसे मिलने गई थी। ऐसे

हालात में डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी के सामने झुकना ही पड़ा। हालांकि डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी ने पूरा भरोसा दिया है की उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और वे प्रदेश अध्यक्ष साथ उपमुख्यमंत्री की भी कमान वह संभालेंगे। कर्नाटका में कांग्रेस की जीत हुई है, लेकिन पूरा विपक्ष एक तरह से खुद की जीत इसे मान रहा है। क्योंकि जिस तरह कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है। विपक्ष के लिए आक्सीजन मिल गया है। विपक्ष को भी एक बात समझना होगा कि बगैर कांग्रेस के विपक्ष भजपा से यह लड़ाई नहीं जीत सकता है। उसे कांग्रेस के साथ खड़े रहना होगा। विपक्ष में काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कर्नाटक की जीत के बाद विपक्ष को 2024 लोकसभा चुनाव दिख रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब कांग्रेस के करीब आने लगी। उन्होंने तकरीबन 200 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सहयोग करने की बात कहा है। निश्चित रूप से कर्नाटक में कांग्रेस नहीं पूरे विपक्ष की जीत है। लेकिन इस चीज को कांग्रेस को बनाए रखना होगा। विशेषकर उसे भ्रष्टाचार के आरोपों से बचना होगा। आम लोगों को स्वच्छ पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना होगा। राज में अफसरशाही को और लचीला बनाना होगा। सरकार को सीधे जनता से ताल्लुक रखना होगा। चुनाव में किए गए वादे को पार्टी को शत प्रतिशत निभाना होगा। हालांकि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में सरकार बनते ही उन घोषणाओं पर अमल किया जाएगा। लेकिन सबसे पहले जनता की मूलभूत जरूरतों और स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव में पार्टी को अच्छाखासा परिणाम मिल सकता है। कर्नाटक के सत्ता की कमान अब सिद्धारमैया के हाथ में होगी। रमैया एक मजे हुए राजनेता है और राज्य के मुख्यमंत्री की कमान कई बार संभाल चुके हैं। लिंगायत और दूसरे समाज के लोगों में भी उनकी अच्छी खासी पकड़ है। दलित समाज के लोग भी उन्हें अच्छी तरजीह देते हैं। जबकि डीके सुकुमार का प्रभाव राज्य के कुछ निश्चित इलाके तक ही सीमित है। दूसरी तरफ उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप है। कांग्रेस अगर उन्हें मुख्यमंत्री बना देती तो निश्चित रूप से केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके और पार्टी के लिए मुसीबत बन सकती हैं। उस हालत में जहां कांग्रेस की छवि खराब होती है वहीं पार्टी को करारा झटका लगता। ऐसे हालात में पार्टी किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। जिसकी वजह से कर्नाटक संकट के हल के लिए सोनिया गांधी को डीके शिवकुमार से बात करनी पड़ी। जबकि सोनिया गांधी से मुलाकात के पूर्व वे मुख्यमंत्री पद लेने पर पड़े थे। हालांकि सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद मान गए। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच पेंच को सुलझाने के लिए 30-30 महीने के कार्यकाल के लिए दोनों को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया लेकिन डीके शिवकुमार को यह बात मंजूर नहीं थी। शिवकुमार राहुल गांधी से भी मिले, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे। फिर बात सोनिया गाँधी तक गयीं। सोनिया गांधी और शिव कुमार की मुलाकात का इतना असर हुआ कि वह अपनी उन्होंने अपनी जिद छोड़ दिया और कांग्रेस को संकट से उबार लिया। डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर अड़े रहते तो कांग्रेस के लिए बड़ा संकट बन सकता था। हालांकि राज्य में शिव कुमार ने अच्छा काम किया है जिसकी वजह से पार्टी को जीत भी मिली। कांग्रेस की जीत में शिवकुमार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। सांगठनिक स्तर पर कांग्रेस को मजबूती दिलाने में उनकी अच्छी खासी भूमिका रही है। वैसे मुख्यमंत्री बनाने का अंतिम फैसला खरगे पर छोड़ दिया गया था। लेकिन जब उनकी नहीं चली तो उन्हें सोनिया गांधी से निवेदन करना पड़ा। फिर सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद शिवकुमार अपने रास्ते पर आ गए हैं। कर्नाटक में इसके पूर्व परम्परा रहीं थी कि प्रदेश अध्यक्ष रहने वाले को मुख्यमंत्री पद दिया जाता था। 1989 में वीरेंद्र पाटिल और 1999 में एमएस कृष्णा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि बीबीसी के अनुसार इस दौरान गुप्त मतदान भी कराया गया था। उस दौरान यह प्रस्ताव खड़गे की तरफ से दिया गया था। कर्नाटक चुनाव नतीजे आने के बाद डीके शिवकुमार बेहद भावुक हो गए थे। अच्छी खासी जीत की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी, लेकिन आशा के विपरीत मिली सफलता से वह भावुक हो गए और सोनिया गांधी के प्रति आभार भी जताया। कर्नाटक में सिद्धारमैया की छवि बेहद साफ-सुथरी है। वह एक कुशल प्रशासक के रूप में भी जाने जाते हैं। भ्रष्टाचार का कोई बड़ा आरोप नहीं है। चुनाव के बाद उन्होंने कहा था यह उनका अंतिम चुनाव होगा। जिसकी वजह से जनता की ओर से कांग्रेस और उन्हें सहानुभूति का लाभ में मिला। समाज के सभी वर्गों में उनकी अच्छी खासी पैठ। सभी लोगों को एक साथ लेकर चलते हैं। फिलहाल कांग्रेस बड़ी सूझबूझ से अपने घर के झगड़े को निपटा लिया है। यह उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक और नैतिक सफलता है। अब कर्नाटक जीत के बाद उसे राज्य की जनता और उसके भरोसे को जीतना होगा।

डिसक्लेमर : ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

सुमित्रानंदन पंत की कविता और इंद्रधनुष के रंग

हिंदी साहित्य के प्रकृति प्रेमी कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई 1900 को उत्तराखंड के कुमाऊं की पहाड़ियों में स्थित बागेश्वर के गांव कौसानी में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित गंगादत्त एवं मां का नाम सरस्वती देवी था। जन्म के कुछ घंटों के भीतर ही उनकी मां का निधन हो गया था। उनका पालन-पोषण उनकी दादी के हाथों हुआ। पंत अपने भाई - बहनों से सबसे छोटे थे और बचपन में उनका नाम गोसाई दत्त रखा गया। शिक्षाः पंत जी की प्रारम्भिक शिक्षा अल्मोड़ा जिले में हुई। 18 वर्ष की उम्र में गोसाईदत्त नाम से ही हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्हें अपना यह नाम पसंद नही आ रहा था। अतः उन्होंने अपना नाम बदल कर सुमित्रानंदन पंत कर लिया । हाईस्कूल के बाद वे स्नातक करने इलाहाबाद विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां स्नातक की पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन में कूद पड़े। वह स्नातक नहीं कर सके पर हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और बांग्ला साहित्य का अध्ययन करते रहे। अल्मोड़ा अखबार, सरस्वती, वेंकटेश समाचार जैसे अखबारों को पढ़ने से कविता में रुचि विकसित हुई। रचनात्मक जीवनः पंत जी ने कक्षा चार से ही लिखना प्रारम्भ कर दिया था । उनकी साहित्यिक यात्रा का आरम्भ छोटी कविताओं से हुआ । वर्ष 1922 में पहली पुस्तक 'उच्छव' और दूसरी 'पल्लव' नाम से प्रकाशित हुई। फिर 'ज्योत्सना' और 'गुंजन' का प्रकाशन हुआ। उनकी रचनाओं का पहला संकलन 1927 में 'वीणा' नाम से प्रकाशित हुआ। इन कृतियों को कला और सौंदर्य की अनुपम कृति माना जाता है। हिंदी साहित्य में इसे पंत का स्वर्ण काल भी कहा जाता है। वर्ष 1930 में वह महात्मा गांधी के नमक आंदोलन में शामिल हुए और देश के प्रति गंभीर हो गए। वह कुछ समय कालाकांकर में भी रहे। यहां ग्रामीण जीवन से उनका परिचय हुआ। यहां पर उन्होंने ग्राम्य जीवन की दुश्वारियों पर कविताएं लिखीं। पंत जी ने अपनी कविताओं में न केवल प्रकृति के सौन्दर्य को स्थान दिया वरन प्रकृति के माध्यम से मानव जीवन के बेहतर भविष्य की कामना भी की। उनकी साहित्यिक यात्रा के तीन चरण माने गए हैं। पहला छायावादी, दूसरा प्रगतिशील और तीसरा अध्यात्मवादी है। तीनों चरण उनके जीवन में आने वाले परिवर्तनों के प्रतीक भी हैं। पंत जी पांडिचेरी के अरविंदो आश्रम गए। इसे उनकी आध्यात्मिक यात्रा का प्रस्थान बिंदु माना जाता है । हिंदी साहित्य को व्यापक रूप देने के लिए पंत जी ने 1938 में 'रूपाभ' नामक एक प्रगतिशील पत्रिका का शुभारम्भ किया। 1955 से 1962 तक ऑल इंडिया रेडियो में भी कार्य किया। उनके प्रमुख और चर्चित कविता संग्रह-वीणा, गांधी, पल्लव, गुंजन, युंगाल, युगवाणी, ग्राम्या, स्वर्ण किरण, स्वर्णधूलि, युगांतर, उत्तरा, युगपथ,चिदंबर, काल, बुद्धदेव और लोकायतन हैं। उनका एक कहानी संग्रह 'पांच कहानियां' हैं। साथ ही 1960 में एकमात्र उपन्यास 'हर ओर' और 1963 में एक आत्मकथात्मक संस्मरण 'सिक्सटी ईयर्स -एक रेखा' उल्लेखनीय है। यह उपन्यास उनकी विचारधारा और लोकजीवन के विषय में जानकारी देता है। पंत प्रकृति प्रेमी कवि हैं। छठी कक्षा में उन्होंने बारिश को देखकर पहली कविता लिखी थी। पंत जी ने चींटी से लेकर ग्रामीण युवती के सौंदर्य पर कविता लिखी है। सुमित्रनांदन पंत के रचना संसार में प्रकृति, आलंबन, उद्दीपक , संवेदना, रहस्य, मानवीयता का बोध है। वह अपनी कविताओं में बादलों से बरसने का आह्वान भी करते हैं। वसंत, वर्षा, पतझड़ सभी ऋतुएं उनकी कविता में हैं। पंत जी की भाषा शैली अत्यंत सरल एवं मधुर है। सम्मानः वर्ष 1960 में पंत जी को कविता संग्रह 'काला और बुद्ध चंद' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1961 में पद्म भूषण और 1968 में ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

कविता संग्रह, 'चिदंबरा' और 'लोकायतन' के लिए सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनका संपूर्ण साहित्य 'सत्यम शिवम सुंदरम' के आदर्श से प्रभावित है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मातृभाषा का ज्ञान बहुत जरूरी है। यही वजह है कि शिक्षक बहाली में स्थानीय भाषा के शिक्षकों की भी नियुक्ति की गई है। आप सभी किसी ना किसी स्कूल में जाएंगे। उन स्कूलों और बच्चों की जिम्मेदारी आप पर होगी। आने वाले समय में सरकार स्कूलों की ग्रेडिंग भी करेगी। जो इस ग्रेडिंग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आएंगे उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। इससे स्कूलों में कार्यरत लोगों का मनोबल बढ़ेगा और आसपास के स्कूलों को प्रेरणा भी मिलेगी।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

भीषण गर्मी और आने वाले बरसात के बीच में पाकिस्तान से विस्थापित होकर आये हमारे हिंदू भाई बहनों का आशियाना उजाड़ कर राजस्थान सरकार ने तुष्टिकरण की सारी सीमाओं को लांघ दिया है। यह वही कांग्रेस की सरकार है जिसने हमेशा बाहरी देशों में प्रताड़ित हो रहे हमारे हिंदू भाइयों को भारतीय नागरिकता देने का पुरजोर विरोध किया है। नागरिकता देने का विरोध करते करते आज यह इतना गिर गये है कि इन्हें हमारे विस्थापित हिंदू भाई के झुग्गी और टेंट में रहने पर भी तकलीफ हो रही है। राजस्थान सरकार की उल्टी गिनती अब शुरू हो चुकी है!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

अब 'उन्हें' शर्म आती है ईवीएम पर सवाल उठाने में

दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस को सत्ता मिल गई। इससे निश्चित ही कांग्रेस को डूबते को तिनके का सहारा मिल गया है। हालांकि कर्नाटक में सत्ता के शिखर पर पहुंचने के लिए चार दिन तक चले सत्ता के संग्राम में बाजी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के हाथ लगी है। राजनीतिक दृष्टि से अध्ययन किया जाए तो यही कहा जाएगा कि कर्नाटक में कांग्रेस की विजय अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि यह कर्नाटक का लंबे समय से राजनीतिक इतिहास रहा है कि वहां कोई भी सरकार पुनः पदासीन नहीं हुई है, इसलिए कांग्रेस की इस जीत को परंपरावादी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं कही जाएगी। इसके बाद भी पूरे देश में सिमटती जा रही कांग्रेस के नेताओं में उत्साह का संचार पैदा हुआ है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक कांग्रेस की इस जीत को इस रूप में भी प्रस्तुत करने लगे हैं कि दक्षिण में कांग्रेस ने भाजपा के बढ़ते कदमों को रोक दिया है। यह कितना सत्य है, यह तो कहा नहीं जा सकता, लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस को शायद इस बात का बहुत बड़ा भ्रम हो गया है कि वह अपराजेय बनती जा रही है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार से भारत का भ्रमण करके यात्रा निकाली उसका कार्यकताओं में अच्छा संदेश गया। लेकिन उसने भाजपा को रोक दिया है, यह कहना इसलिए भी उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि उसी समय उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकाय के चुनाव हुए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने महापौर की सभी सीटों पर कब्जा किया। इसलिए कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के चुनाव को राष्ट्रीय राजनीति की दृष्टि से देखा जाना अपने आपको भुलावे में रखने के समान ही माना जाएगा। हम जानते हैं कि हर चुनाव के बाद ईवीएम पर सवाल उठाए जाते हैं। अगर भाजपा की विजय हो जाती है तो ईवीएम को चुनाव से हटाने की भी मांग उठने लगती। लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस के जीतने के बाद ईवीएम पर किसी भी प्रकार की आवाज नहीं आ रही है। सबके मुंह पर टेप लग गया है। लंबे समय से विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि भाजपा ईवीएम के सहारे ही जीतती रही है। हम जानते हैं कि विपक्ष को केवल भाजपा की जीत से परहेज है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को छप्पर फाड़ समर्थन मिला था। इसके बाद भी यह नहीं कहा जा सकता कि वहां भाजपा और कांग्रेस का जनाधार समाप्त हो गया है। हमें स्मरण होगा कि सन 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी दलों के अधिकतर नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे। तब इन सवालों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुंचे। इसलिए अब कर्नाटक में कांग्रेस को मिली विजय के बाद ईवीएम पर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठ रहे। क्योंकि सभी जानते हैं कि इन सवालों का कोई पुष्ट आधार नहीं है। जहां तक उत्तरप्रदेश के स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की विजय की बात है तो यह सभी स्वीकार करने लगे हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्य करने का तरीका अलग है, वे बुरे को बुरा कहने से नहीं चूकते। उत्तर प्रदेश की जनता को योगी का यही अंदाज पसंद आ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कई मिथकों के भ्रम को तोड़ा है, क्योंकि उनको अपने कार्य पर भरोसा है। कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार बन रही है तो दूसरी ओर राजस्थान में कांग्रेस के नेताओं की सरकार से ठन रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मौनी बाबा की भूमिका में आकर कानों में रुई डालकर बैठ गए हैं। कांग्रेस के युवा नेता सचिन पायलट उनका मौन तोड़ने के लिए गुर्रा रहे हैं। सचिन पायलट का यह कदम राजस्थान में कांग्रेस के भविष्य के लिए खतरे की घंटी की आवाज है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

कुछ समस्याएं तो व्यवस्थागत खामियों की वजह से होती हैं, वहीं कई ऐसी समस्याएं भी होती हैं जिन्हें होने से पहले ही रोका जा सकता है। लापरवाही के कारण ये समस्याएं पनपती हैं और बढ़ती चली जाती हैं। फिर हालत यह हो जाती है कि मर्ज का इलाज करना मुश्किल हो जाता है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान का उदाहरण लें तो कुछ समस्याएं व्यवस्थागत हैं, वहीं कई प्रबंधन की उदासीनता और लापरवाही के कारण पनपी हैं। यहां बात हो रही है रिम्स परिसर में बेतरतीब लगनेवाले ठेले-खोमचे और वाहनों की। ठेले-खोमचे में साफ-सफाई का कितना ध्यान रखा जाता होगा, यह अलग विषय है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अस्पताल परिसर में अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। यहां आने-जाने वाले मुख्य मार्ग में ही ठेले व फुटपाथ दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। यहां अक्सर एंबुलेंस फंस जाती है। एंबुलेंस का सायरन बजता रहता है लेकिन जाने के लिए जल्दी रास्ता नहीं मिलता। यहां आने वाले मरीजों को भी जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। दुर्गा मंदिर से अंदर रिम्स आने वाले रास्ते में दोनों ओर ठेले, खोमचे व सड़क पर ही दुकाने सजी हुई हैं। इन सभी दुकानों को हटाया गया था। हटाए जाने के बाद दुकानदारों के विरोध के सामने प्रबंधन बेबस दिखा। फिर से इसी सड़क के किनारे अवैध रूप से व्यापार शुरू हो गया। कहने का मतलब यह है कि यदि शुरू से ही ध्यान रखा जाता तो आज समाधान के लिए इतनी मशक्कत नहीं करनी पड़ती।

फिरोज जिलानी, पत्रकार, रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

केकेआर पर जीत दर्ज कर लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी सुपरजाइंट्स

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराकर लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। लखनऊ को टीम को इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसके पास जीत दर्ज कर प्लेऑफ में पहुंचने का शानदार अवसर है। वह पिछले कुछ मैचों से अच्छी लय में आ गयी है। नियमित कप्तान लोकेश राहुल के बाहर होने के बाद भी टीम की बल्लेबाजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसका कारण ये भी रहा कि राहुल आईपीएल के पहले से ही फार्म में नहीं थे और जिन मैचों में उन्होंने खेलना उनमें भी वह रन नहीं बना पाये थे। कार्यवाहक कप्तान ऋणाल पंड्या ने अब तक अच्छी कप्तानी की है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 177 रन के स्कोर का बचाव करते समय अच्छी रणनीति दिखायी थी। मुंबई के खिलाफ मार्कस स्टोइनिस बल्लेबाजी जबकि मोहसिन खान और रवि बिश्नोई गेंदबाजी में प्रभावी रहे। सुपरजाइंट्स की टीम इस मैच में फुटबॉल टीम मोहन बागान के रंग की जर्सी में उतरेगी क्योंकि दोनों टीमों का मालिकाना अधिकार एक ही समूह आरपी के पास है।

वहीं दूसरी ओर केकेआर की टीम भी प्लेऑफ के लिए पूरी ताकत लगा देगी हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं रहेगा। केकेआर टीम अब तक इस सत्र में एक ईकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। उसे खिलाड़ियों में निरंतरत की कमी है। केवल रिंकू सिंह ही लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। रिंकू ने ही टीम को कुछ मैचों में अपने बल पर जीत दिलायी है। उसे अभी तक 13 मैचों में से सात में हार का सामना करना पड़ा और इनमें से चार मैच वह अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स पर भी हारी है।

केकेआर के बल्लेबाज अब भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे। जहां तक गेंदबाजी की बात है। उसमें अनुभव की कमी दिखती है। इसके अलावा उसका क्षेत्ररक्षण भी खराब रहा है। गेंदबाजी में हालांकि वरुण चक्रवर्ती ने अच्छा प्रदर्शन

किया है। रिंकू और वरुण जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बल पर ही केकेआर की टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना रख रही है। जिस तरह के समीकरण बन रहे हैं उसमें चार टीम 14 अंकों के साथ ही अपने अभियान का समापन कर सकती हैं और ऐसे में बेहतर नेट रन रेट वाली टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी।

ऐसे में केकेआर के अभी 12 अंक हैं और उसे न सिर्फ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी बल्कि अन्य मैचों के परिणाम में उसके अनुकूल रहने की उम्मीद करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

कोलकाता नाइट राइडर्सः नीतीश राणा (कप्तान), जेसन रॉय, रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लोकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह और आर्या देसाई।

लखनऊ सुपरजाइंट्सः ऋणाल पंड्या (कप्तान), आयुष बडोनी, करण शर्मा, मनन वोहरा, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस, कृष्णप्पा गौतम, दीपक हुड्डा, काइल मेयर्स, अवेश खान, मोहसिन खान, मार्क वुड, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, निकोलस पूरन, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, डेनियल सैम्स, अमित मिश्रा, प्रेरक मांकड़, स्वप्निल सिंह, नवीन उल हक, युद्धवीर चरक और करुण नायर

दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम दिल्ली कैपिटल्स को हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में सीएसके जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में शानदार रही है जिसके बल पर उसे इस मैच में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसके अलावा टीम के पास महेन्द्र सिंह धोनी जैसे करिश्माई कप्तान है।

सीएसके की टीम अभी 13 मैचों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है पर इसके बाद भी वह दिल्ली के खिलाफ कोई कसर नहीं रखेगी क्योंक एक हार उसे प्लेऑफ से बाहर कर देगी। दिल्ली ने इससे पहले के मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर उसकी प्लऑफ की उम्मीदें तोड़ दीं थीं। इस मैच में जीत से सीएसके प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर वह दूसरे स्थान पर रहेगी या नहीं इसका निर्धारण लखनऊ सुपरजाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम से तय होगा। लखनऊ के भी 15 अंक हैं पर सीएसके का नेट रन रेट उससे बेहतर है।

इस कोटला का विकेट धीमा है जिससे यह सीएसके की रणनीति के लिए लाभदायक है। ऐसे में धोनी इस मैच में अनुकूल माहौल का लाभ उठाना चाहेंगे। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है। उसके शीर्ष क्रम में डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं बीच के ओवरों में अंबाती रायडू, रविंद्र जडेजा और मोईन अली और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी हैं। धोनी ने अंतिम ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का अच्छा नमूना पेश किया है और टीम को उनसे फिर से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में तुषार देशपांडे और श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। स्पिन की जिम्मेदारी रविन्द्र जडेजा, मोईन अली और महेश तीक्ष्णा अच्छी तरह से संभाली है।

वहीं दूसरी ओर पहले ही प्लेऑफ से बाहर हुई दिल्ली ने पहले चरण में लगातार पांच मैच गंवाए लेकिन इसके बाद उसने कुछ लय हासिल की और अगले आठ में से पांच मैचों में जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को 15 रनों से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। बल्लेबाजी में अक्षर पटेल के अलावा कप्तान डेविड वॉर्नर, मिशेल मार्श, फिल सॉल्ट और रिली रोसौव ने अच्छी पारियां खेली हैं।उसका लक्ष्य इस मैच में उलटफेर कर सीएसके की संभावनाओं को समाप्त करना रहेगा। उसके लिए सकारात्मक पक्ष घरेलू मैदान का होना है। इसके अलावा पृथ्वी शॉ सहित टीम के अन्य बल्लेबाज फार्म में आ गये हैं। दिल्ली ने अब तक जितने भी मैच जीते उनमें उसके गेंदबाजों की मुख्य भूमिका रही है। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा , एनरिक नोर्किया और खलील अहमद ने अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि स्पिनर अक्षर और कुलदीप यादव ने विरोधी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया है। अक्षर ने पूरे सत्र में अच्छी बल्लेबाजी भी की है। कप्तान डेविड वार्नर भी लीग के इस अंतिम मैच में बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने के कारणों पर ध्यान देना होगा : जहीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं कुछ गलती हो रही है जिसपर हमें ध्यान देना होगा। भारतीय टीम के तेज गेंदबज जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर और प्रसिद्ध कृष्णा भी अभी चोटों के कारण खेल से दूर हैं। चाहर को पैर की मांसपेशियों में खिंचाव जबकि कृष्णा के पीठ में खिंचाव है। जहीर ने कहा कि गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज भी गंभीर चोटों से जूझ रहे हैं। इसका कारण मुझे समझ नहीं आ रहा है। जहीर ने आईपीएल में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के अच्छे प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार है। उन्होंने चीजों को सरल बनाये रखा है। मैं कहूंगा कि यह पावरप्ले में खेलने का सही तरीका है और यह देखना बहुत अच्छा है कि गेंदबाज इस तरह के उदाहरण पेश कर रहे हैं, चीजों को सरल रख रहे हैं। ये लोग प्रारूप की कठिनाइयों में नहीं फंस रहे हैं।

जहीर ने कहा कि शमी और सिराज के व्यस्त आईपीएल कार्यक्रम से उनपर काम का बोझ शायद ही बढ़े क्योंकि इस प्रारुप में टेस्ट मैच की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी करनी होती है। भारतीय टीम को सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल भी खेलना है। जहीर ने सनराइजर्स हैदराबाद के उमरान मलिक की उपेक्षा पर भी नाराजगी व्यक्त की है। जहीर ने कहा , मुझे लगता है कि उमरान को फ्रेंचाइजी द्वारा अच्छी तरह से संभाला नहीं गया है। सनराइजर्स उनकी सेवाओं का बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे और यह स्पष्ट है।

पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पदक कुर्बान करने को तैयार : बजरंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने गुरुवार को कहा कि महिला पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए वे खेल में अपने करियर का 'बलिदान' देने को तैयार हैं। इन पहलवानों ने 10 से 18 जून तक किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाली अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल आयोजित करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) पैनल के फैसले का भी स्वागत किया। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, संगीता फोगाट और अपने समर्थकों के साथ राजघाट पहुंचने के बाद बजरंग पूनिया ने कहा कि वे बृजभूषण की गिरफ्तारी से पहले प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे।

बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। बजरंग ने कहा, '' न्याय के लिए हमारी लड़ाई जारी

रहेगी। पूरे देश से हमें भरपूर समर्थन मिल रहा है। सरकार का नारा है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, इसलिए ध्यान रखना चाहिए कि ये देश की बेटियां है।'' यह पूछे जाने पर कि पिछले 26 दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन से क्या इस साल होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों में बाधा आ रही है, बजरंग ने कहा कि अब उनकी प्राथमिकता पीड़ितों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा, '' अगर हमें बेटियों के लिए न्याय मिलता है तो यह हमारा सबसे बड़ा पदक होगा। हम कुर्बानी देने को तैयार हैं। यह लड़ाई डब्ल्यूएफआई में अच्छे लोगों के लिए है न कि बृजभूषण या उनके अनुयायियों जैसे लोगों के लिए जो महिला पहलवानों से छेड़छाड़ करते रहेंगे।'' अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल क्रमशः सोनीपत और पटियाला में 17 से 20 मई तक होंगे। बजरंग ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''हम ट्रायल के जरिए खेल को फिर से शुरू करने के कदम का स्वागत करते हैं। हमने पहले कहा था कि खेल का संचालन बृजभूषण की जगह समिति द्वारा किया जाना चाहिये। हमने समिति का कभी विरोध नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''हम दूसरे पहलवानों को यहां नहीं बुला रहे हैं, हम नहीं चाहते कि उनका अभ्यास प्रभावित हो।'' बजरंग ने कहा कि जैसा कि पहले चर्चा की गई थी, अगर 21 मई तक बृजभूषण की गिरफ्तारी पर फैसला नहीं होता है तो उसी दिन 'बड़ी पंचायत (ग्राम परिषद)' का आयोजन होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रदर्शन के भविष्य का खाका पंचायत में बुजुर्गों द्वारा तय किया जायेगा।

मुझे और डुप्लेसी को टैटू पसंद, इसलिए दोनो के बीच है अच्छा तालमेल : विराट

हैदराबाद (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में उनके और कप्तान फाफ डुप्लेसी के बीच हुई साझेदारी का राज बताया है। इस मैच में विराट और डुप्लेसी के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने दस विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। विराअ ने डुप्लेसी के साथ अपनी शानदार साझेदारी के पीछे के कारणों को बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें और डुप्लेसी को टैटू पसंद हैं और इसलिए वह दोनों ही अच्छे से तालमेल बनाने में सफल रहते हैं। कोहली ने कहा, इस मैच के महत्व को यह साझेदारी अहम रही। हैदराबाद ने शानदार स्कोर बनाया। गेंद ग्रिप भी कर रही थी। हम एक अच्छी ठोस शुरुआत चाहते थे। हमनें 172 रनों तक विकेट नहीं खोई, ऐसा होने की उम्मीद नहीं थी। इस सत्र में फाफ एक अलग स्तर पर रहा है। पिछले 2-3 मैच मेरे लिए सही नहीं रहे, जिस तरह से मैं नेट्स में प्रैक्टिस कर रहा था तो गेंद को अच्छे से हिट नहीं कर पा रहा था। मैं एक प्रभाव बनाना चाहता था और मेरा इरादा पहली गेंद से गेंदबाजों के पीछे जाने का था। कुछ ऐसा जो मैंने पूरे सीजन में किया है।

कंपाउंड तीरंदाज ओजस और ज्योति ने पदक पक्का किया, फाइनल में मुकाबला कोरिया से

शंघाई। (एजेंसी)। भारत की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने शुक्रवार को यहां फाइनल में जगह बनाकर विश्वकप के दूसरे चरण में पदक पक्का किया लेकिन रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारतीय जोड़ी ने एक रोमांचक सेमीफाइनल में इटली की अपनी प्रतिद्वंदी टीम को 157-157 (19*-19) से हराकर विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से होगा। पिछले महीने अंताल्या में विश्वकप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय जोड़ी की फाइनल में यहां कड़ी परीक्षा होगी।

भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में

बांग्लादेश को 158-151 से आसानी से पराजित किया, जबकि अगले दौर में उन्होंने तुर्की की मजबूत टीम पर 157-156 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में इटली की एलिसा रोनर और एलिया फ्रीगनन ने पहले चक्र में परफेक्ट 40 का स्कोर बनाते हुए एक अंक की बढ़त हासिल की। इटली की टीम ने तीसरे चक्र में 40 का स्कोर बनाया और अपनी बढ़त दो अंकों (117-119) की कर दी। लेकिन ओजस और ज्योति ने बेहतरीन वापसी की और चौथे दौर में 40 का स्कोर बनाकर मुकाबले को शूट ऑफ तक खींच दिया जिसमें भारतीय जोड़ी के तीर केंद्र के अधिक करीब रहे और इस आधार पर उसने फाइनल में जगह बनाई।

लेकिन ओलंपिक में शामिल रिकर्व स्पर्धा में भारत को निराशा हाथ लगी। धीरज बोम्मदेवरा और सिमरनजीत कौर की पांचवीं वरीयता प्राप्त रिकर्व जोड़ी अपने पहले मैच में इंडोनेशिया से 2-6 (39-35, 37-39, 37-38, 34-35) से हार गई। अपनी रैंकिंग के आधार पर बाई हासिल करके दूसरे दौर (प्री क्वार्टर फाइनल) में जगह बनाने वाले भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के खिलाफ शुरू में 2-0 से आगे थी लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और अपने से कम रैंकिंग वाली टीम से हार गई।

मेदवेदेव टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में, अब मुकाबला सिटसिपास से

रोम। दानिल मेदवेदेव ने क्ले कोर्ट पर अपने खेल में सुधार जारी रखते हुए इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका मुकाबला स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। विश्व में तीसरी रैंकिंग के रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने जर्मन क्वालीफायर यानिक हैनफमैन को 6-2, 6-2 से पराजित किया। इससे उन्होंने 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन की पुख्ता तैयारियों का सबूत भी पेश किया जहां वह 2021 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। सिटसिपास ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में बोर्ना कॉरिच को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन में इस बार 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हिस्सा नहीं लेंगे जिससे किसी ने चैंपियन के लिए रास्ता खुल गया है।

क्लासेन आईपीएल में शतक लगाने वाले सातवें बल्लेबाज व पांचवे दक्षिण अफीकी

हैदराबाद । आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ शानदार शतक लगाया। इसी के साथ ही क्लासेन इस लीग में शतक लगाने वाले सातवें बल्लेबाजी बन ये हैं। हेनरिक ने 51 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से 104 रन बनाए। हेनरिक के इस शतक से हैदराबाद ने एक अच्छा स्कोर जरुर बना लिया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस सत्र में हैनरिक से पहले शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार वैंकटेश अय्यर प्रभसिमरन सिंह और हैरी ब्रूक ने शतक लगाये हैं। वहीं आरसीबी की ओर से विराट कोहली ने शतक लगाया। इसी के साथ ही आईपीएल में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की तादाद आठ हो गयी है। क्लासेन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल में शतक लगाने वाले 5वें बल्लेबाज हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस लीग में शतक लगान वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर एबी डीविलियर्स हैं, दूसरे नंबर पर हाशिम अमला जबकि तीसरे नंबर पर क्विंटन डीकॉक और चौथे नंबर पर डेविड मिलर हैं। वहीं इस सत्र में आरसीबी की ओर से खेल रहे डुप्लेसिस ने सत्र का आठवां अर्धशतक लगाया। इसी के साथ ही वह ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के निशाने पर रहेंगे विराट : पोंटिंग

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले महीने भारत के खिलाफ वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में उनकी टीम के निशाने पर विराट कोहली रहेंगे। पोंटिंग के अनुसार उनके गेंदबाजों का प्रयास जल्दी से जल्दी विराट को पेवेलियन भेजना रहेगा। वे जानते हैं कि आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन से विराट का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह खतरनाक साबित हो सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, ''एक महीने पहले बेंगलोर में आईपीएल मैच के दौरान मेरी विराट से बात हुई और उसने बताया कि वह महसूस कर रहा है कि अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया है।

कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में आईपीएल में अपना छठा शतक लगाया और अब तक 13 मैचों में वह पांच सौ से ऊपर रन बना चुके हैं। पोंटिंग ने कहा, मुझे भरोसा है कि ऑस्ट्रेलिया के सभी गेंदबाजों की नजरें उसके विकेट पर होगी। फाइनल मुकाबला भारत के शीर्षक्रम और आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच रहेगा और प्रशंसकों को बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट देखतने को मिलेगी । उन्होंने कहा कि इस मुकाबले में भारतीय टीम को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी चोटिल है। केएल राहुल नहीं है और बुमराह की कमी भी खलेगी हालांकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फॉर्म में है और उम्मीद है कि दोनों टीमें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश उतार सकेंगी

उन्होंने यह भी कहा कि ओवल की पिच घरेलू पिचों की तरह होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''ओवल के हालात आस्ट्रेलिया के अनुकूल है और मुझे लगता है कि इसका फायदा आस्ट्रेलियाई टीम को मिलेगा। आम तौर पर समझा जाता है कि मुकाबला भारतीय स्पिनरों और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन ओवल की पिच शुरूआत में बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है और तीसरे चौथे दिन से स्पिनरों की भूमिका होती है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले भारत के करीब दर्जन भर खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं जबकि आस्ट्रेलिया के सिर्फ चार खिलाड़ी इस लीग में हैं । आईपीएल से तैयारियों पर असर के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि हर चीज को देखने के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा, ''इसे दो तरह से देखा जा सकता है। विराट आईपीएल में लगातार रन बना रहा है और उसका आत्मविश्वास बढा हुआ है जबकि आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इतना अधिक नहीं खेले हैं लेकिन मानसिक तैयारी के साथ उतरेंगे। उन्होंने हालांकि पिछले कुछ अर्से में रन नहीं बनाए हैं और ना ही विकेट लिए हैं।

पोंटिंग ने कहा ,'' यहां खेल रहे भारतीय खिलाड़ी सिर्फ आईपीएल के बारे में ही नहीं

सोच रहे होंगे। निश्चित तौर पर उनके कार्यभार प्रबंधन का पूरा ख्याल रखा जा रहा होगा और अब प्लेआफ तथा फाइनल ही बचा है तो खिलाड़ियों के पास आराम का पर्याप्त समय है। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन इग्लैंड में हैं और हालात के अनुकूल ढल रहे हैं । सीन एबोट और माइकल नेसेर भी वहीं है ताकि किसी तेज गेंदबाज को चोट लगने पर वे तैयार रहें।

रहाणे के बाद ईशांत की हो सकती है भारतीय टीम में वापसी

नई दिल्ली । आईपीएल में शानदार गेंदबाजी कर सबसे ध्यान खींचने वाले अनुभवी गेंदबाज ईशांत शर्मा पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। जिस प्रकार बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। उसी प्रकार अब ईशांत को भी टेस्ट टीम में जगह मिलने की उम्मीद है। ईशांत ने पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पिछले दोनों ही मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने दोनों ही मैच में टीम के कप्तान शिखर धवन को आउट किया तो 2-2 विकेट लिए। वहीं धर्मशाला में खेले गए मैच में तो ईशांत ने आखिरी ओवर में टीम को जीत दिलाई। इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ भी उन्होंने अंतिम ओवर में टीम को 5 रन से जीत दिलाई थी। ईशांत की पिछले कुछ समय में चयनकर्ताओं ने अनदेखी की। ऐसे में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने उनके संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। ऐस में अब वह 34 वर्ष की उम्र में वह टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं क्योंकि उनकी गेंदों में अभी भी पैनापन है। आईपीएल के इस सत्र में उन्हें अन्य गेंदबाजों की तुलना में अधिक सफलता मिली। उन्होंने 8 मैचों में 10 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनकी इकॉनमी 8.24 रही है यह 19 विकेट लेने वाले चेन्नई के तुषार देशपांडे 9.79 और अर्शदीप सिंह 9.67 से कहीं बेहतर है।

पिछले डेढ साल की मेहनत का फल मिला : प्रणॉय

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ी एच.एस प्रणॉय का लक्ष्य अब विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना है। अभी वह विश्व में सातवे नंबर पर हैं। थॉमस कप जीतने के साथ से ही उन्होंने कई बड़े टूर्नामेंट भी जीत हैं। इस कारण वह यहां तक पहुंचे हैं। उनके लिए पिछला साल काफी अच्छा बीता और इस साल भी उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इस खिलाड़ी के लिए पिछले कुछ साल कठिन रहे थे। इस खिलाड़ी ने कहा कि साल में 2021-22 में मेरी रैंकिंग 32-33 तक चली गई थी। वहां से शीर्ष-10 में आना काफी मुश्किल था। मैंने पिछले डेढ साल में काफी मेहनत की जिसका मुझे ये फल मिला। करियर में बहुत सारे मोड़ आये हुए हैं। पिछले साल थॉमस कप भी करियर का एक बड़ा टर्निंग अंक था। टीम के लिए भी और निजी तौर पर मेरे लिए भी। थॉमस कप जीतने के बाद काफी आत्मविश्वास मिला था।

अब डॉन जैसी फिल्में नहीं करना चाहते शाहरुख

कुछ दिनों पहले डॉन के प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने कहा था कि डॉन 3 पर काम चल रहा है और वक्त आने पर इस बारे में घोषणा की जाएगी, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक डॉन 3 तो बनेगी, लेकिन शाहरुख खान इसका हिस्सा नहीं होंगे। रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख खान ने डॉन के मेकर्स से कह दिया है कि वे तीसरी बार डॉन बनने के इच्छुक नहीं हैं। पठान की सफलता के बाद शाहरुख खान अलग किस्म की फिल्में करना चाहते हैं और डॉन उनकी इस कैटेगरी में फिट नहीं बैठती है। फरहान लंबे समय से डॉन 3 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। शाहरुख खान के साथ उन्होंने इस बारे में काफी बातचीत भी की। शाहरुख दो बार डॉन बन चुके हैं और तीसरी बार भी डॉन बनने के इच्छुक थे, लेकिन पठान के बाद उनका नजरिया बदल गया। फरहान ने उन्हें यह भी कहा कि वे चाहे तो अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और किसी नए स्टार को लेकर डॉन 3 बना सकते हैं, लेकिन शाहरुख इस पर भी राजी नहीं हुए। गौरतलब है कि 1978 में अमिताभ बच्चन को लेकर डॉन बनाई गई थी। 2005 में शाहरुख खान को लेकर इसे रीबूट किया गया। इसके बाद इस मूवी का सीक्वल भी शाहरुख को लेकर बनाया गया। सूत्रों के अनुसार फरहान अख्तर अब इसे फिर रीबूट करने का सोच रहे हैं और किसी नए स्टार को लेकर डॉन बनाएंगे।

गौरी की गलत उम्र बताकर शरमाए शाहरुख

शाहरुख खान और गौरी खान ने अपनी कॉफी टेबल बुक माई लाइफ इन डिजाइन को लॉन्च किया। इस दौरान शाहरुख ने बताया कि कैसे उनकी पत्नी गौरी ने अपने दम पर अपना काम शुरू किया। एक्टर ने साझा किया कि भले ही उन्होंने उनकी मदद करने की पेशकश की हो, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार किया है। शाहरुख ने कहा, यह यंगस्टर्स से लेकर उन सभी लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है जो क्रिएटिव होने के अपने जीवन के सपने को पूरा करने से चूक जाते हैं। आप किसी भी उम्र में शुरू कर सकते हैं। मुझे लगता है कि गौरी ने 40 की उम्र में अपने बिजनेस की शुरूआत की थी। शाहरुख ने फिर गौरी की तरफ देखा और उसके बाद अपनी आइकॉनिक स्माइल के साथ कहा था- 40? ओह, केवल 40। वह अभी 37 साल की है। हमारे परिवार में, हमारी उम्र पीछे की ओर है। तो हां, 40 साल की उम्र में गौरी ने ऐसा करना शुरू कर दिया था, जब मैंने उनसे कहा भी था, सुनो, क्या तुम्हें कुछ मदद चाहिए? मेरे कुछ दोस्त हैं जिनसे हम बात कर सकते हैं? गौरी ने इंकार कर दिया। एक्टर ने कहा कि गौरी ने लोअर परेल में 10 फीट गुणा 20 फीट की शॉप से शुरूआत की। उन्होंने यह सब अपने दम पर किया और वह करती रहीं।

सनी लियोनी कैनेडी के साथ

कान 2023 के रेड कार्पेट पर डेब्यू के लिए तैयार

सनी लियोनी हाल ही में अपना जन्मदिन मीडिया के साथ मनाती दिखी थी और अपने दोस्तों और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। सनी ने अपने प्रशंसकों और फैशन आलोचकों को वर्षों से अपने ठाठ और स्टाइलिश कलेक्शन से प्रभावित किया है। यह फैशन आइकॉन अपने स्टाइल को बढ़ाने और कान्स 2023 के रेड कार्पेट पर चलने के लिए बेहद उत्साहित है। वह जल्द ही अपनी टीम के साथ 2023 में प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म कैनेडी के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए उड़ान भरेगी, जो निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस मर्डर मेलोडी का टीज़र हाल ही में रिलीज़ किया गया था और प्रशंसकों ने सनी लियोन के किरदार को पसंद किया है। कान 2023 में मिडनाइट स्क्रीनिंग के लिए सम्मानित जूरी द्वारा चुनी गई कैनेडी एकमात्र भारतीय फिल्म है। कई स्टाइल पुरस्कार जीतने के बाद, सनी लियोन ने एक लंबा सफर तय किया है और खुद को बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। अपने शानदार लुक्स और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ, सनी निश्चित रूप से लोगों के दिल पर छाप छोड़ती हैं।

नेहा जोशी ने दूसरी मां में यशोदा के किरदार पर की बात

टेलीविजन अभिनेत्री नेहा जोशी, जो शो दूसरी मां में यशोदा का किरदार निभा रही हैं, ने कहा कि अपने किरदार के पति के अतीत का सामना करना और उसके बावजूद एक मां के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करना कुछ ऐसा है जो उन्हें अलग करता है। अभिनेत्री ने कहा- यशोदा का कैरेक्टर लोगों को खूब पसंद आया है और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि भूमिका चुनौतीपूर्ण है। इस कैरेक्टर में प्रामाणिकता लाना और इसमें भावनाओं के साथ न्याय करना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन साथ ही, यह काफी संतोषप्रद भी है। मातृ प्रेम और स्नेह की कोई सीमा नहीं है। हालांकि, यह जटिल हो सकता है, खासकर तब जब बच्चा आपके पति का नाजायज बेटा हो। उन्होंने आगे कहा- टेलीविजन पर मजबूत मां के कई चित्रण किए गए हैं, लेकिन जो यशोदा के कैरेक्टर को अलग करता है वो उसके पति के अतीत के साथ आने और कृष्ण के लिए अपने ही परिवार और समाज के खिलाफ खड़े होने और उनके बीच संतुलन बनाने की यात्रा है।

रणबीर कपूर ने दिया आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडेय रिलेशन को किया कन्फर्म

बॉलीवुड में आज-कल कब किस स्टार की किसके साथ जोड़ी बन जाए यह पता लगाना बहुत ही मुश्किल का काम हैं। आए दिन किसी के डेटिंग की खबरे सुनने को मिलती है तो किसी की ब्रेकअप की खबरे। इसी बीच अब इंडस्ट्री में एक और लिंकअप की खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं। बता दे की ये लव बर्ड्स कोई और नहीं बल्कि आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडेय हैं।

दरअसल अभी तक तो इनकी डेटिंग की खबरे महज एक अफवाह माना जा रहा था। लेकिन अब खुद बॉलीवुड के एक सुपरस्टार ने इनके रिश्तें पर मुहर लगाते हुए दिख रहे हैं। अब आप सोच रहे होंगे की आखिर कौन है ये सुपरस्टार तो बता दे की ये कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के सवारियां कहे जाने वाले रणबीर कपूर है। जिन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बातों ही बातों में वो राज खोल ही डाला जिसे लेकर सुगबुगाहट तो खूब है लेकिन चुप्पी कोई तोड़ ही नहीं रहा। वैसे तो सब ही जानते है की रणबीर कपूर काफी मजाकियां इंसान हैं। ऐसे में अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में भी रणबीर कुछ इसी अंदाज में दिखे। जहां एक्टर ने बातों-बातों में कई ऐसे राज खोल दिए है जिसका काफी समय से फैंस इंतजार कर रहे थे। दरअसल, इंटरव्यू में आदित्य रॉय कपूर को लेकर बात होती है जिसके बाद रणबीर कपूर कहते हैं कि वो बहुत ही अच्छा लड़का है और वो जानते हैं उस लड़की को जिसे वो पसंद करते हैं और उसका नाम लेटर से शुरू होता है। अब बातों ही बातों में इशारा तो रणबीर ने कर ही दिया है जो समझ सकें वो समझ लें जो ना समझें वो अनाड़ी हैं। आपको बता दें कि अनन्या और आदित्य के रिश्ते की सबस पहले पोल खोली थी करन जौहर ने जिनकी पार्टी में दोनों को स्पॉट किया गया था। कॉफी विद करन शो में होस्ट ने इसकी पोल खोली और तब से लेकर अब तक दोनों के रिश्ते को लेकर खूब बातें हो रही हैं। हालांकि इस गुमनाम रिश्तें पर अब तक ना तो आदित्य रॉय कपूर ने कभी चुप्पी तोड़ी है, ना ही अनन्या पांडेय ने कभी भी इस बात का हिंट दिया हैं।

अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी प्रभास की सालार

बाहुबली के बाद हिन्दी भाषी दर्शकों में ख्यात हुए अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी आने वाली दो फिल्मों को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। प्रभास की इन दो फिल्मों पर निर्माताओं के 1000 करोड़ दांव पर लगे हुए हैं। निर्माताओं को पूरी उम्मीद है कि उनकी यह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कारोबार करते हुए न सिर्फ 1000 करोड़ की रिकवरी करेंगी अपितु उनको अच्छी कमाई भी देंगी। इन दो फिल्मों में से एक है आदिपुरुष जिसका निर्माण टी सीरीज के भूषण कुमार ने 600 करोड़ की भारी रकम में किया है। यह फिल्म इस वर्ष 16 जून को प्रदर्शित होने वाली है। इसके प्रदर्शन की उल्टी गिनती आज से शुरू हो गई है। वहीं दूसरी ओर प्रभास की चर्चा उनकी दूसरी फिल्म सालार को लेकर भी हो रही है, जिसे केजीएफ सीरीज के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया है। प्रशांत नील केजीएफ के समय से ही ख्यातनाम निर्देशक हो चुके हैं। सालार से उनकी बारे में बनी यह धारणा भी टूटेगी कि केजीएफ की सफलता यश के बलबूते पर थी, निर्देशक के बूते पर नहीं। कहने वालों का कहना है कि यश जिस अंदाज में 80 के दशक के एंग्रीमैन की छवि का परदे पर पुनर्जीवित किया वहीं दर्शकों को भा गया, नतीजा फिल्म ने 1200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया। सालार में प्रभास का किरदार भी कुछ ऐसा ही है। इस फिल्म का निर्माण होम्बेल फिल्म्स कर रहा है जिसने इस पर 400 करोड़ का बजट दांव पर लगा रखा है। सालार को लेकर कहा जा रहा था कि यह फिल्म अपनी तय तारीख पर सिनेमाघरों में नहीं पहुँचेगी। इसमें बदलाव होगा। लेकिन अब जो समाचार गलियारों में बह रहे हैं उनका कहना है कि प्रभास की फिल्म सालार अपनी तय तिथि 28 सितम्बर 2023 को ही सिनेमाघरों में आएगी। सालार में प्रभास के साथ श्रुति हासन नजर आएंगी, वहीं खलनायक के तौर पर उनके सामने जगपति बाबू होंगे जो हाल ही में सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे।

मेघा चक्रवर्ती को अब बनना है जब वी मेट की गीत

बड़ी देवरानी, ख़्वाबों की जमीन, पेशवा बाजीराव और कृष्णा चली लंदन जैसे शोज में काम करने वाली टीवी ऐक्ट्रेस भले बंगाल में जन्मीं और पली-बढ़ी, मगर अभिनेत्री बनने का सपना उन्हें मुंबई ले आया और अपने जुनून के बलबूते पर वे आज टीवी पर कई तरह के रोल कर चुकी हैं। मेघा इन दिनों चर्चा में हैं धारवाहिक इमली के लीड रोल को लेकर। हाल ही में वे इस शो के सीजन 2 से। उनसे एक बातचीत।

इमली जैसे लोकप्रिय शो में कदम रखने का अनुभव कैसा रहा है? कोई यादगार पल?

अब तक काफी दिलचस्प रहा है। यह बहुत अच्छा चल रहा है। उम्मीद है कि सीजन 2 दर्शकों को उसी तरह से पसंद आएगा जैसे सीजन वन। यह एक टीम एफर्ट है। सीजन टू में आपको काफी टर्न एंड ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। यदि आप सीजन 1 के बारे में बात कर रहे हैं तो कहानी अच्छी थी, और इमली और अन्य पात्रों ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया जिसने सीजन 1 को लोकप्रिय बना दिया। आगे भी ये सिलसिला जारी रहेगा। शूटिंग के दौरान कई यादगार पल रहे, मगर मुझे लगता है कि जब मैंने एक ट्रक चलाया जो बहुत दिलचस्प था। उस समय भी जब मैं शो में सरदार जी, बूढ़ी औरत जैसे अलग-अलग किरदार निभा रही थी। इसलिए ऐसे कई पल हैं जिन्हें मैं जीवन में हमेशा संजो कर रखूंगा क्योंकि यही वह समय था जब मैंने कुछ नया सीखा।

बड़ी देवरानी, ख़्वाबों की जमीन, पेशवा बाजीराव और कृष्णा चली लंदन जैसे शोज में काम करते हुए एक टेलिविजन आर्टिस्ट के रूप में टीवी इंडस्ट्री में आपको घंटों काम करना पड़ता है। इस तरीके को कैसे देखती हैं?

यह सच है कि टेलिविजन में हमें 12-14 घंटे काम करना पड़ता है।बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि कई बार आप एक सीन में रोमांस कर रहे होते हैं, तो अगले सीन में रोना होता है। हमको स्क्रिप्ट सेट पर शूटिंग के समय दी जाती है। सेट पर एक अलग तरह का पेस और करंट होता है और यही हमें जुनून देता है। कई बार हमारे त्योहार और बर्थडे सेट पर मनाते हैं। मगर इस बार 3 मई को मेरी सालगिरह थी और मुझे छुट्टी मिल गई थी। मेरी खुशी सातवें आसमान पर थी। मैंने खूब धमाल किया। हालांकि इस छुट्टी के लिए मुझे पिछले दिन ओवर टाइम करना पड़ा था, मगर मुझे मलाल नहीं हुआ, क्योंकि बर्थडे के दिन मैंने दोस्तों के साथ बहुत ही यादगार वक्त बिताया।

एक ऑडियंस के रूप में आपको क्या देखने में मजा आता है?

मुझे मसाला कॉन्टेंट देखना पसंद है, एक दर्शक के रूप में ट्विस्ट और टर्न, कुछ भी नीरस नहीं है। हाई-स्पीड रोमांस, एक्शन और अच्छा संगीत होना चाहिए। मुझे नाटक, थ्रिलर और साइ-फाइ पसंदहै। मैं ऐसा कॉन्टेंट देखना पसंद करती हूं, जहां आप अपने दिमाग का इस्तेमाल कर सकें। जब मैं बोर होती हूं, तो मैं कॉमिडी देख सकती हूं और उसका लुत्फ उठा सकती हूं।

क्या आपका कोई ड्रीम रोल है?

जब वी मेट का करीना द्वारा निभाया गया गीत जैसी मजेदार लड़की से मिले या फिर आलिया भट्ट जैसा राजी का किरदार मिले, तो बायगॉड लाइफ बन जाए।

आपको अपने आसपास क्या प्रेरित करता है?

मुझे लगता है कि शाहरुख खान का हर इंटरव्यू मुझे प्रेरित करता है और मुझे उनका इंटरव्यू देखना बहुत पसंद है और मैं कड़ी मेहनत और अपने काम पर ध्यान देने में भी विश्वास करतीहूं। आप जरूर कामयाब होंगे, बशर्ते अपने काम से प्यार करें और उसका सम्मान दें।

आप एक डांसर भी हैं, तो उस पैशन के बारे में बताएं?

मैं बचपन से डांस कर रही हूं, कथक कर रही हूं। स्कूल में एक भी ऐसा फंक्शन नहीं था, जहां मैंने परफॉर्म नहीं किया हो। मुझे हर चीज में भाग लेने में मजा आता है, इसलिए मैं स्कूल में डांस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बहुत लोकप्रिय था। मेरी यात्रा वहीं से शुरू हुई, और मैंने अपनी 10वीं कक्षा तक हर प्रतियोगिता में भाग लेना जारी रखा। मेरे अंदर अभी भी डांसिंग का कीड़ा है। डांसिंग के अलावा मुझे नहीं पता कि बहुत से लोग इसके बारे में जानते हैं या नहीं, मैं क्राफ्ट, पेंटिंग में बहुत अच्छी हूं। मुझे इसे करना अच्छा लगता है। बोतल पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग और हस्तनिर्मित चीजें। मुझे ज्यादा समय नहीं मिलता है लेकिन जब भी समय मिलता है मैं करती हूं।

आपकी भविष्य की प्लानिंग क्या हैं?

कोई मास्टर प्लान नहीं है। मैं बस प्रवाह के साथ जा रही हूं। मैं रणनीति और मास्टर प्लान में विश्वास नहीं करती। मैं बस चीजों को सहज रूप से करने में विश्वास करती हूं। मेरा लक्ष्य किरदार को ईमानदारी से चित्रित करना और उसे समझना है। और जहां भी आवश्यक हो मैं प्रयास करती हूं और मैं एक्सप्रेशंस पर काफी मेहनत करती हूं, क्योंकि मैं कभी-कभी इसे दर्शा नहीं कर पाती हूं।